उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः12 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 20 अप्रैल-2026

अंदर के पृष्ठ पर

100 करोड़ की आस्था पर चोट, लव जिहाद का एक ही इलाज, एकजुटता : ज्योति बाबा 3

मोदी पर राहुल गांधी का सीधा वार ट्रंप के हाथों देश की सुरक्षा बेच दी 5

तमिलनाडु के विरुधुनगर में पटाखा फैक्टरी में धमाका 18 लोगों की मौत, सीएम टालिन ने जताया दुख

» राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने भी जताया दुख

सीएम स्टालिन ने जताया दुख

घटना की जानकारी मिलते ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दुख व्यक्त किया।

बीपीएस न्यूज

एजेंसी चेन्नई। तमिलनाडु के विरुधुनगर में पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में 18 लोगों की मौत और छह घायल हो गए। धमाके के समय करीब 30 कर्मचारी मौजूद थे। दमकल ने आग पर काबू पाया और बचाव कार्य जारी रहा। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दुख जताकर मंत्रियों को मौके पर भेजने, राहत कार्य तेज करने और पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद देने के निर्देश दिए।तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के पास कट्टानारपट्टी स्थित वनजा पटाखा फैक्ट्री में रविवार को धमाके से भीषण हादसा हो गया।

इस हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस घटना पर दुख जताया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि विरुधुनगर जिले में पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट में कई लोगों की मृत्यु की दुखद खबर से गहरा दुख हुआ है। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।जानकारी के मुताबिक, इस फैक्ट्री का मालिकाना हक गोविंदनाल्लूर निवासी मुथु मानिकम के पास है और यह एक वैध आरडीओ लाइसेंस के तहत संचालित हो रही थी। फैक्ट्री परिसर में 30 से अधिक कमरे बने हुए हैं और यहां 50 से ज्यादा कर्मचारी कार्यरत हैं।

रविवार को जब लगभग 30 कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर मौजूद थे, तभी अचानक एक जोरदार विस्फोट हुआ। इस धमाके से फैक्ट्री के कम से कम चार कमरों को भारी नुकसान पहुंचा और देखते ही देखते वहां अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद करीब एक घंटे से अधिक समय तक आग पर काबू पाने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझा लिया गया, लेकिन तब तक नुकसान काफी गंभीर हो चुका था। हादसे के समय फैक्ट्री में 30 से अधिक लोग मौजूद थे, जिनमें से कई मलबे के नीचे दब गए। बचाव दल ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और मलबे में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश जारी रखी।अब तक लगभग 18 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि अन्य लापता लोगों की तलाश जारी है। इस दर्दनाक घटना के बाद प्रशासन और पुलिस विभाग भी हरकत में आ गया है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्रीनाथ स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और पूरे मामले की गहन जांच के आदेश दिए गए हैं।फायर और रेस्क्यू विभाग के अनुसार, अब तक कई शव बरामद किए जा चुके हैं और बाकी लोगों को खोजने का काम जारी है।

घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया है। प्रशासन ने पूरे इलाके को सील कर दिया है और जांच शुरू कर दी है कि विस्फोट कैसे हुआ। प्रारंभिक आशंका है कि विस्फोट फैक्ट्री में रखे ज्वलनशील पदार्थों के कारण हुआ हो सकता है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल पाएगा। इस हादसे ने एक बार फिर पटाखा फैक्ट्रियों में सुरक्षा मानकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है और उन्हें इससे गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और कहा कि सरकार इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है। साथ ही प्रशासन को राहत और सहायता कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि मैंने मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन और थंगम थेन्नारासु से तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्यों में तेजी लाने और उनकी निगरानी करने तथा प्रभावित परिवारों को सांत्वना देने का अनुरोध किया है। इस घटना की सूचना मिलते ही मैंने जिला कलेक्टर से संपर्क किया और उन्हें सभी आवश्यक सहायता समन्वय करने का निर्देश दिया है।राष्ट्रपति ने भी इस हादसे को बेहद दुखद बताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने भी घटना पर शोक जताते हुए कहा कि यह हादसा बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। दोनों नेताओं ने इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़े रहने का भरोसा दिया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

भारत ने ईरानी राजदूत को किया तलब, कहा- जहाजों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं

बीपीएस न्यूज

ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर सख्ती बढ़ाने के बाद वहां हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस बीच, भारतीय ध्वज वाला एक तेल टैंकर देश गरिमा सफलतापूर्वक इस समुद्री मार्ग से निकल गया। हालांकि, स्थिति सभी के लिए सामान्य नहीं थी। टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम और यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस की रिपोर्ट के अनुसार, ओमान के पास ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नौकाओं द्वारा गोलीबारी की गई। इस घटना के बाद देश वैभव, देश विभोर, सनमार हेराल्ड और जग अर्नव जैसे जहाजों में कई को अपना रास्ता बदलना पड़ा और कई को वापस लौटना पड़ा।इस घटना को गंभीरता से लेते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने भारत में तैनात ईरानी राजदूत को तलब किया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भारतीय जहाजों पर हुई गोलीबारी पर गहरी चिंता व्यक्त की। हालांकि राहत की बात यह है कि सभी टैंकर और उनका चालक दल सुरक्षित हैं, लेकिन भारत ने स्पष्ट किया है कि वह अपने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करेगा।विदेश मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि भारत ने हमेशा से ही नाविकों और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। भारत ने ईरान को याद दिलाया कि अतीत में ईरान ने हमेशा भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करने में सहयोग किया है।विदेश सचिव ने ईरानी राजदूत से आग्रह किया कि वे तेहरान को भारत की चिंता से अवगत कराएं और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारतीय जहाजों की आवाजाही को जल्द से जल्द सुरक्षित और सामान्य बनाने के लिए उचित कदम उठाएं। ईरानी राजदूत ने भारत को आश्वासन दिया है कि वे इन चिंताओं को अपनी सरकार तक पहुंचाएंगे।

एक साथ निकले थे 13 साथी, लौटे 9 शव, केरल के स्कूल में पसरा मातम, परिजनों में मचा कोहराम

बीपीएस न्यूज

तमिलनाडु। शनिवार की सुबह केरल के मलप्पुरम जिले के पांग गांव के लिए किसी बुरे सपने की तरह रही। जब नौ एंबुलेंसों का काफिला एक साथ गांव की सीमा में दाखिल हुआ, तो हर आंख नम थी और पूरे क्षेत्र में सन्नाटा पसर गया। ये वही सहकर्मी और परिजन थे जो शुक्रवार सुबह एक साथ खुशियां मनाने और घूमने निकले थे, लेकिन नियति ने उन्हें बेजान शरीर के रूप में वापस भेजा। मलप्पुरम जिले के पांग गांव स्थित एक सरकारी स्कूल परिसर में शनिवार को सामूहिक शोक का माहौल देखने को मिला, जब पल्लिपरंबा सरकारी लोअर प्राइमरी स्कूल से जुड़े शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी और उनके परिजनों के शव वहां लाए गए।ये सभी लोग शुक्रवार को पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में हुए सड़क हादसे में जान गंवा बैठे थे। पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूरी होने के बाद नौ एंबुलेंस का काफिला सुबह मलप्पुरम पहुंचा और शवों को एंबालापरम्बु सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में रखा गया, जहां लोगों ने अंतिम दर्शन किए। शवों के पहुंचते ही बड़ी संख्या में छात्र, अभिभावक, सहकर्मी और ग्रामीण मौके पर जुट गए। पूरे माहौल में गहरा दुख और अविश्वास साफ झलक रहा था। एक शिक्षक ने भावुक होकर कहा, अब स्टाफ रूम में सिर्फ तीन लोग ही बचे हैं।

वहीं एक अन्य शिक्षिका ने बताया कि वह भी इस यात्रा में शामिल होने वाली थीं, लेकिन किसी कारणवश योजना बदल गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कूल समुदाय एक परिवार की तरह था और इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है।जानकारी के अनुसार, 13 लोगों का समूह शुक्रवार सुबह यात्रा पर निकला था, जिसमें शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी, उनके परिजन और चालक शामिल थे। यह यात्रा अनौपचारिक थी और इसमें अथिराप्पिल्ली जलप्रपात के बाद तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के वालपराई जाने की योजना थी और इसी क्रम में यह दुर्घटना हुई। हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज पड़ोसी राज्य के अस्पतालों में चल रहा है। सभी नौ शवों का पोस्टमार्टम तमिलनाडु के पोल्लाची स्थित सरकारी अस्पताल में मध्यरात्रि से तड़के चार बजे के बीच किया गया, जिसके बाद उन्हें केरल लाया गया। बाद में शवों को अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक घरों में ले जाया गया। इस बीच राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने स्कूल पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।मंत्री ने कहा कि इस घटना ने स्कूल को गहरा आघात पहुंचाया है, क्योंकि मृतकों में अधिकतर शिक्षक शामिल थे। उन्होंने कहा कि स्कूल के पुनः खुलने से पहले आवश्यक शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति के लिए सरकार तत्काल कदम उठाएगी। साथ ही प्रभावित छात्रों के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था की जाएगी। और मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से आर्थिक सहायता दी जाएगी। मंत्री ने यह भी बताया कि हादसे की विस्तृत जांच कराई जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

पीएम का महिला आरक्षण विधेयक पर देश को गुमराह करने का विकल्प चुनना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण :ममता बनर्जी

बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को दावा किया कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक पर देश को गुमराह करने का विकल्प चुना। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महिलाओं को ढाल के रूप में इस्तेमाल करके परिसीमन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की साजिश रच रही है। बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ने ईमानदारी से इस मुद्दे को सुलझाने के बजाय देश को गुमराह करने का विकल्प चुना। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को वर्ष 2029 के संसदीय चुनाव से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया, जिसके एक दिन बाद शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को चेतावनी दी कि भारत की महिलाएं उन्हें भ्रूण हत्या के पाप के लिए कड़ी सजा देंगी। बनर्जी ने कहा, तृणमूल कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के लिए उच्च राजनीतिक प्रतिनिधित्व का समर्थन किया है। संसद और राज्य विधानसभा दोनों में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों का अनुपात हमारे यहां सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के निर्वाचित सदस्यों में से 37.9 प्रतिशत महिलाएं हैं।

बनर्जी ने बताया कि पार्टी ने राज्यसभा में 46 प्रतिशत महिला सदस्यों को मनोनीत किया है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण का विरोध करने का सवाल ही नहीं उठता। बनर्जी ने आरोप लगाया, हम मूल रूप से उस परिसीमन प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं जिसे मोदी सरकार अपने निहित स्वार्थों को पूरा करने के लिए महिलाओं को ढाल बनाकर लागू करने की साजिश रच रही है।

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा पर ईडी की छापेमारी, लुधियाना में कार्रवाई खत्म गुरुग्राम में सर्च जारी

बीपीएस न्यूज

लुधियाना। पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी का बड़ा ऑपरेशन सामने आया है। लुधियाना स्थित उनके घर और कारोबारी ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन शनिवार दोपहर तक पूरा कर लिया गया, जबकि गुरुग्राम स्थित उनके आवास और दफ्तरों में कार्रवाई जारी है। ईडी की टीम शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे एक साथ कई स्थानों पर पहुंची

और तलाशी अभियान शुरू किया, जो शनिवार तक चलता रहा। यह कार्रवाई लुधियाना, जालंधर, गुरुग्राम और चंडीगढ़ समेत कुल 13 लोकेशनों पर एक साथ की गई। छापेमारी में मंत्री अरोड़ा के घर, उनके बेटे, बिजनेस पार्टनर हेमंत सूद और चंद्रशेखर अग्रवाल के ठिकानों को भी शामिल किया गया।सूत्रों के मुताबिक, लुधियाना में तलाशी पूरी करने के बाद ईडी की टीमें अब गुरुग्राम स्थित दफ्तरों और अन्य परिसरों पर फोकस कर रही हैं। लेकिन यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग जांच से जुड़ी बताई जा रही है।छापेमारी के दौरान मंत्री अरोड़ा के गुरुदेव नगर स्थित आवास पर तैनात केंद्रीय सुरक्षा बलों की टीम अब वापस लौट चुकी है। उल्लेखनीय है कि छापेमारी के समय मंत्री संजीव अरोड़ा यूरोप दौरे पर हैं, जहां वे 'इन्वेस्ट समिट' से जुड़े कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। ईडी की इस कार्रवाई को लेकर राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है, वहीं आगे की जांच और खुलासों पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं।

अखिलेश यादव ने चाय वाले को दिए पीतल के बर्तन, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मारा था छापा

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फतेहपुर के चाय विक्रेता को बुलाकर उन्हें पीतल के बर्तन भेंट किए। जिसकी दुकान पर खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी की थी।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फतेहपुर में जिस चाय वाले के यहां पर चाय पी थी। उस चाय वाले शेषमन यादव की दुकान पर खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने छापा मारकर दुकान बंद करने की चेतावनी दी थी। अखिलेश ने रविवार को शेषमन और उनको चाय पिलाने वाले शेषमन के पुत्र आर्यन यादव को अपने कार्यालय बुलाया और उन्हें पीतल के बर्तन भेंट किए। अखिलेश यादव ने कहा कि आरोप हैं कि एल्युमिनियम के बर्तन में चाय बनाई जा रही थी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मेरे घर में भी एल्युमिनियम के बर्तन हैं। मेरा घर भी सील कर दो। चाय वाले को परेशान किया जा रहा है। एक मुस्लिम नेता को आगे करके शिकायत करवाई गई है, जिससे कि केस बन सके।

अखिलेश यादव ने 20 फरवरी में एक दौरे पर जाते समय फतेहपुर में रुककर एक दुकान पर चाय पी थी, जिसकी तस्वीर उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर दी थी। ये पोस्ट वायरल हो गई। इस पर अखिलेश यादव ने लिखा था कि मत डरिए, अपना काम करिए। बुरे दिन जाने वाले हैं।इसके बाद शेषमन यादव की दुकान पर खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी पहुंच गए और छापेमारी की। दुकान सील करने की चेतावनी दी। चाय के सैंपल लेकर भेज दिए गए हैं और रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

जब से अखिलेश भैया आए तब से परेशान किया जा रहा- शेषमनफतेहपुर में चाय की दुकान चलाने वाले शेषमन ने बताया कि जब से अखिलेश भैया दुकान पर आए थे तभी से परेशान किया जा रहा है। 16 अप्रैल को फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारी और कर्मचारी आए और पूछा कि एल्युमिनियम के बर्तन में चाय क्यों बनाते हो? हमारा जीना मुश्किल हो गया है। हम एल्युमिनियम के बर्तन में नहीं तो क्या सोने-चांदी के बर्तन में चाय बनाएंगे।

अखिलेश यादव ने पिता-पुत्र को सपा कार्यालय में बुलाया और उन्हें पीतल के बर्तन भेंट किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों को परेशान कर रही है। पीड़ित है गरीब है वही पीडीए है। ये सरकार अब जाने वाली है।

राजधानी में और बढ़ेगी तपिशः तापमान में बढ़ोतरी, तीन दिन दिल्ली-एनसीआर झेलेगा लू का प्रकोप

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में तापमान बढ़ रहा है। 19 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री दर्ज हुआ। 20 से 25 अप्रैल तक यह 40-43 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 22 से 24 अप्रैल के बीच लू चलने की आशंका है। इन दिनों तापमान बढ़ने से दिन के साथ अब रातें भी गर्म होने लगी हैं। अगले सप्ताह से तापमान में और अधिक बढ़ोतरी की संभावना है। दिल्ली में 20 से 25 अप्रैल के बीच मौसम ज्यादातर गर्म और शुष्क रहने की आशंका है। इस दौरान अधिकतम तापमान लगभग 40 से 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। शुरुआती दिनों 20-22 अप्रैल में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा, जबकि बाद के दिनों 23-25 अप्रैल में आसमान में आंशिक तौर पर बादल छाए रह सकते हैं।

मौसम विभाग के अनुसार 22 से 24 अप्रैल के बीच कुछ स्थानों पर लू (हीटवेव) चलने की स्थिति बन सकती है।

सीएम योगी बोले- सदियों तक आक्रमण झेल कर भी दृढ़ता से खड़ी है सनातन आस्था, जबकि आक्रांता मिट गए

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत लखनऊ में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा उत्तर प्रदेश का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गौरवशाली सनातन विरासत और आधुनिक विकास के नए युग में एक साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सदियों के आक्रमणों के बावजूद सनातन आस्था अडिग रही और आज ÷यतो धर्मस्ततो जयः÷ के भाव के साथ पुनः अपने स्वाभिमान के शिखर पर स्थापित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक पुनरुत्थान का उल्लेख करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल और राजेंद्र प्रसाद के योगदान को याद किया और कहा कि आज वही सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अभियान नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुका है। इस अवसर पर उन्होंने सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा को रवाना करते हुए इसे भारत की आस्था, एकता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बताया।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और दृढ़ नेतृत्व में अपनी गौरवशाली विरासत के साथ-साथ आधुनिक विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है। आज का यह आयोजन इस बात का प्रतीक है कि भारत के शास्त्रों की मान्यता के अनुसार जैसे आत्मा अजर-अमर है, वैसे ही सनातन आस्था भी इस अजर-अमर पथ का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबने देखा है कि भारत की सनातन संस्कृति पर सदियों से हमले होते रहे। लेकिन हमलावर भारत की आस्था को न तो तोड़ पाए और न ही झुका पाए। लगभग 1000 वर्ष पहले द्वादश ज्योतिर्लिंगों में देवाधिदेव महादेव के प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ भगवान के मंदिर पर विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी के नेतृत्व में कायराना हमला किया गया। आक्रांताओं ने भारत की धन-संपदा लूटी, मंदिरों को अपवित्र किया और सनातन आस्था पर प्रहार किया। लेकिन भारत के सनातन धर्म की अटूट आस्था भगवा पताका के साथ पूरी मजबूती के साथ खड़ी रही। आज 1000 वर्ष बाद जब हम देखते हैं तो भारत की सनातन आस्था पूरी दृढ़ता से विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रही है, जबकि आक्रांताओं का कोई नामोनिशान इस धरती पर नहीं बचा है। यही है ÷यतो धर्मस्ततो जयः÷ का शंखनाद। आक्रांताओं की बर्बरता जिसे रोक नहीं पाई, तोड़ नहीं पाई और झुका नहीं पाई, वही सनातन आस्था आज सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाई जा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र भारत में हर भारतवासी की यह अभिलाषा थी कि देश को केवल राजनीतिक स्वतंत्रता ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाधीनता भी प्राप्त हो। इसके लिए लगातार प्रयास किए गए और अनेक स्वर उठाए गए। भारत माता के सपूत, भारत की अखंडता के शिल्पी और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर की दुर्दशा देखकर संकल्प लिया था कि इस मंदिर का पूर्ण जीर्णोद्धार होगा और द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के मंदिर की गरिमामयी पुनर्स्थापना की जाएगी। लेकिन इस मार्ग में बाधक बने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू। उनकी इच्छा थी कि यह कार्य न हो, परंतु सरदार पटेल की दृढ़ संकल्प शक्ति के सामने नेहरू की नहीं चली।

अपनी बात....

संपादकीय ....

महिला आरक्षण व परिसीमन विधेयक सिर न चढ़े

जैसे कि पहले से कायस लगाए जा रहे थे, शुक्रवार को लोकसभा में संविधान में प्रस्तावित 131वां संशोधन बिल मतदान के बाद गिर गया। दरअसल, यह बिल देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाया गया था। राजनीतिक पंडित पहले ही कह रहे थे कि संविधान संशोधन के लिये जरूरी दो तिहाई बहुमत सरकार के पास नहीं है, जिससे बिल के पारित होने पर संशय था। वैसा ही हुआ और राजग सरकार दो तिहाई वोट हासिल करने में विफल रही। बिल के समर्थन में 298 और इसके विरोध में 230 वोट पड़े। आखिरकार सरकार की ओर से कहा गया कि अब दोनों बाकी प्रस्तावित संशोधन बिलों को आगे न बढ़ाने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि महिलाओं को 33 आरक्षण देने वाले कानून में संशोधन को लेकर बुलाए गए विशेष सत्र में पिछले कुछ दिनों से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गरमागरम बहस जारी थी। विपक्ष इस संशोधन में शामिल परिसीमन को लेकर सरकार की घेराबंदी कर रहा था। दरअसल, दक्षिण भारत के उन राज्यों में इसको लेकर खासा विरोध था जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण करके आर्थिक विकास को प्राथमिकता बनाया था। उनकी आशंका थी कि परिसीमन विधेयक के अस्तित्व में आने से संसद में इन राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। विपक्ष में का आरोप है कि संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण संशोधन बिल को पारित करने का उपक्रम महज कुछ राज्यों में हो रहे चुनाव में बढ़त हासिल करने के लिये था। ताकि महिला वोटरों को लुभाया जा सके। विपक्ष ने संसद में जारी बहस के बीच कानून मंत्रालय द्वारा महिला आरक्षण अधिनियम 2023 को लागू करने के लिये अधिसूचना जारी करने पर भी सवाल उठाये। उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण कानून का उद्देश्य संसद और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिये 33 फीसदी आरक्षण लागू करने का प्रावधान था। मगर राजग सरकार ने प्रस्तावित 131वें संविधान बिल 2026 में सीटों में आरक्षण को परिसीमन के आधार पर लागू करने की बात कही थी।

दरअसल, विपक्ष इस संशोधन बिल की टाइमिंग और आरक्षण को परिसीमन के आधार पर लागू करने की शर्त पर सवाल उठाता रहा है। कांग्रेस पार्टी की ओर से कहा गया कि 33 फीसदी आरक्षण को लोकसभा की मौजूदा सीटों के आधार पर ही लागू करना चाहिए। विपक्ष परिसीमन से उपजी विसंगतियों और दक्षिण के राज्यों की चिंताओं को तरजीह देने की बात करता रहा है। वहीं सत्ता पक्ष की दलील रही कि विपक्ष महिला आरक्षण का विरोध कर रहा है। बिल का मकसद महिला सशक्तीकरण ही है। जिसके लिये इसके लागू करने के तरीके का विरोध किया जा रहा है। सत्ता पक्ष की दलील थी कि परिसीमन संविधान सम्मत है और बढ़ती आबादी के बाद सीटों को तार्किक बनाये जाने की जरूरत है। इस बीच दोनों पक्षों की ओर से एससी–एसटी के हितों के पैरोकार होने की दलीलें भी दी गई। सत्ता पक्ष ने विपक्ष पर उत्तर–दक्षिण का नैरेटिव गढ़ने का आरोप भी लगाया। साथ ही विपक्ष को महिलाओं के आक्रोश की कीमत चुकाने की भी चेतावनी दी। वहीं विपक्ष ने केंद्र पर देश का चुनावी नक्शा बदलने की कोशिश का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि ये संशोधन दलित व पिछड़े वर्गों के हित में नहीं है। सवाल इस बात को लेकर भी उठाये गए कि 2011 की जनगणना को आधार बनाकर परिसीमन करना कितना न्यायसंगत है। इसके लिये नये जनगणना के आंकड़े आने का इंतजार क्यों नहीं किया जा रहा है। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने परिसीमन को संघीय ढांचे को प्रभावित करने वाला बताया। उन्होंने महिला आरक्षण लागू करने को परिसीमन से जोड़ने की तार्किकता को लेकर भी सवाल उठाया। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात को खारिज किया कि निर्णय प्रक्रिया किसी भी तरह किसी के साथ भेदभाव करेगी। उन्होंने कहा कि परिसीमन पहले के अनुपात के अनुसार ही किया जाएगा।

उगते सागर ने बचपन छीन बढ़ाये बाल विवाह

निरंजन भंडारी

सुंदरबन जैसे इलाके में बड़ी संख्या में किशोरियों की शादी मात्र 'परंपरा' नहीं। यह कमजोर आर्थिक हालत में जीवन-रक्षा की रणनीति है। समुद्र में बार-बार चक्रवात आने, तटबंध टूटने, खारी मिट्टी से कृषि व मछली पालन प्रभावित होता है, जिससे.सुंदरबन जैसे इलाके में बड़ी संख्या में किशोरियों की शादी मात्र 'परंपरा' नहीं। यह कमजोर आर्थिक हालत में जीवन-रक्षा की रणनीति है। समुद्र में बार-बार चक्रवात आने, तटबंध टूटने, खारी मिट्टी से कृषि व मछली पालन प्रभावित होता है, जिससे आजीविका पर संकट आने से बाल-विवाह बढ़ते हैं। सुंदरबन इलाके में जब सागर की लहरें धीरे-धीरे दलदली मिट्टी पर आती हैं- नमक और तूफान की तीव्रता से बंधा तट कांपता है, वहां बचपन की मासूमियत भी खतरे में पड़ जाती है। यहां गांवों में, घर की दीवारें धंसती मिट्टी पर टिकी हैं। इस संकट में सबसे अधिक प्रभावित होती हैं लड़कियां, जिनकी उम्र के सबसे खूबसूरत पल यानी खेल, पढ़ाई और बचपन की जिज्ञासाओं से लबालब होते हैं। वे सब जलवायु आपदाओं, गरीबी और सामाजिक असमानताओं के दबाव में जल्दी ही विवाह की आग में झोंक दी जाती हैं।

गोसाबा द्वीप की गलियों में एक 14 वर्षीय लड़की, अजूं बागदीस, सुबह के अंधेरे में अपने छोटे-छोटे पैरों से खारे पानी में छलकते पानी को चीरते हुए भागती है, अपने साथ केवल कुछ कपड़ों का बंडल लिए हुए। सूरज की पहली किरणों से पहले ही वह अपनी जीवन यात्रा में उस मोड़ पर पहुंच चुकी होगी, जहां उसके बचपन को हमेशा के लिए त्याग दिया जाएगा। विवाह की रस्में साधारण होती हैं–कोई भव्य दावत नहीं, बस कुछ रिश्तेदार, उधार ली गई साड़ी और एक जीवन जिसे आज़ाद महसूस करने का मौका कभी नहीं मिलेगा। यह जलवायु संकट की अदृश्य कीमत है, जिसे समाज और व्यवस्था ने लड़कियों की मासूमियत के रूप में वसूल लिया।हालिया सर्वेक्षण इस संकट की गंभीरता को उजागर करते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षणङ्5 में पाया गया कि पश्चिम बंगाल में 20ङ्24 वर्ष की उम्र की लगभग 42 प्रतिशत महिलाएं 18 वर्ष की उम्र से पहले ही विवाहिता हो चुकी थीं, जो राष्ट्रीय औसत 23.3 प्रतिशत का लगभग दोगुना है। सुंदरबन के द्वीपों में, गोसाबा ब्लॉक खासकर बाल विवाह के लिए चिन्हित है, जहां किशोरियों को घर का बोझ घटाने को विवाह करने को मजबूर किया जाता है। यहां के ग्रामीण रात में किए जाने वाले विवाहों की कहानियां फुसफुसाते हैं, जो अक्सर बिना पंजीकरण, अधिकारी की नज़र से दूर, अनदेखी रह जाती हैं। यूनिसेफ के अनुमान के अनुसार, भारत के बाल विवाहों में पश्चिम बंगाल की हिस्सेदारी 13-15 प्रतिशत है, और इस डेल्टा के द्वीप-गोसाबा से लेकर बसंती, काकद्वीप और नामखाना तक–हर साल सैकड़ों किशोरियों को विवाह के बंधन में बांधते हैं।सरकारी हस्तक्षेप मौजूद हैं, लेकिन वे सतह तक ही सीमित हैं। साल 2023 में अधिकारियों ने दावा किया कि 1,500 बाल विवाहों को रोका गया और लगभग 900 एफआईआर दर्ज की गईं, लेकिन कार्यकर्ताओं का कहना है कि अधिकांश विवाह अब भी रिकॉर्ड में नहीं आते। इस क्षेत्र में बाल विवाह भूख, कर्ज व अनिश्चितता से निपटने की कठोर रणनीति है।

जलवायु परिवर्तन इस चक्र को और तेज करता है। पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्ययन से पता चलता है कि पिछले दशक में 55 प्रतिशत से अधिक घरों ने अंडरएज विवाहों में वृद्धि दर्ज की है। टेरेस डेस होमस के सर्वेक्षण में खुलासा हुआ कि पथर प्रतिमा और गोसाबा के 90 प्रतिशत लोग पिछले दस वर्षों में सीधे जलवायु आपदाओं का सामना कर चुके हैं, जिससे फसल उत्पादन और खाद्य सुरक्षा प्रभावित हुई है। ऐसे क्षेत्र में किशोरियों की जल्दी शादी आर्थिक बचाव की रणनीति बन जाती है। प्रवास से जोखिम और बढ़ जाता है। केवल 17 प्रतिशत प्रवासी परिवार अपने साथ पति-पत्नी को ले जाते हैं और सिर्फ 7 प्रतिशत बच्चे को ले जाते हैं, जिससे नाबालिगों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। रिपोर्टें बताती हैं कि बालिकाएं विवाह, जबरन श्रम, मानव तस्करी और विवाह प्रवासन से जुड़ी बढ़ती घटनाओं का सामना कर रही हैं।मैदान के आंकड़े भले ही अधूरे हों, लेकिन परिणाम स्पष्ट हैं। लड़के परिवार की मदद करने के लिए स्कूल छोड़ देते हैं; लड़कियां घरेलू श्रम, जल्दी गर्भधारण, स्वास्थ्य जोखिम और सीमित गतिशीलता के चक्र में फंस जाती हैं। सर्वेक्षण के मुताबिक, 73.3 प्रतिशत विवाहित लड़कियां अन्य जिलों में पलायन करती हैं, अक्सर अजनबी समुदायों में, बिना यह सुनिश्चित किए कि उनके पति की मंशा या पृष्ठभूमि सुरक्षित भी है। गरीबी और सामाजिक हाशिए पर रहने वाले समुदाय इस संकट को और गहरा कर देते हैं। अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों के घरों में 44 प्रतिशत बाल विवाह की दर दिखती है।केनिंग के चिन्मय रे कहते हैं,'कन्याश्री जैसी योजनाएं इन द्वीपों तक नहीं पहुंच पातीं। 'प्रशासनिक बाधाएं, कड़ा दस्तावेज़ीकरण, और राजनीतिक उपेक्षा हाशिए पर रहने वाले परिवारों को लाभ नहीं दिलातीं। प्रवर्तन की कमी बच्चों को असुरक्षित छोड़ देती है और पीड़ितों को मदद नहीं मिलती।' टेरेस डेस होमस के सर्वेक्षण के अनुसार सुंदरबन की दो-तिहाई बालिकाएं अपनी शादी को पिछले आपदाओं से जोड़ती हैं। कोविड-19 लॉकडाउन ने इन समस्याओं को और बढ़ा दिया। स्कूल बंद होने से सुरक्षा की जगहें छिन गईं और बच्चे घरों में सीमित हो गए, जहां गरीबी, कर्ज और निराशा जीवित रहने की दिशा तय करती हैं। पठानखली गांव की 14 वर्षीय कल्याणी गेयन ने स्कूल छोड़ दिया, अपनी किताबें फटे कपड़े में बांधकर, क्योंकि उसकी मां फसल की विफलता के कर्ज चुकाने में संघर्ष कर रही थी। मधुपुर ढेला की 16 वर्षीय प्रिया जाना ने 2024 के तूफान में अपना घर खो दिया। खारे पानी ने खेतों को बर्बाद कर दिया। विकल्पों की कमी के कारण उसके माता-पिता ने उसके विवाह का निर्णय लिया।

स्कूल तटबंधों के साथ-साथ टूटते हैं। मौसुनी कोऑपरेटिव स्कूल, द्वीप का एकमात्र माध्यमिक विद्यालय, चिंता बढ़ाने वाली ड्रॉपआउट दर का गवाह है। प्रधानाध्यापक बिनय शि बताते हैं कि पिछले दो वर्षों में 14-18 वर्ष के लगभग 15-20 प्रतिशत छात्र स्कूल छोड़ चुके हैं, तूफानों, गरीबी और जिम्मेदारियों के दबाव में।

मत्स्य और आजीविका विशेषज्ञ डॉ. अनिमेष राय कहते हैं, 'आय बढ़ी नहीं, नावें कम हैं, और बाल विवाह दरवाजे पर खड़ा है' । बच्चे स्कूल पहुंचने के लिए सैकड़ों किलोमीटर काले पानी में नाव से यात्रा करते हैं। कार्यकर्ता सर्मिष्ठा दत्ता गुप्ता कहती हैं, 'बाल विवाह कानून केवल कागज़ों पर है। लड़कियों और लड़कों के लिए न्यूनतम आयु 18 और 21 वर्ष है, लागू करना उन द्वीपों में विफल होता है, जहां सड़क की जगह नावें हैं और तूफान जीवन तय करते हैं। युवा दुल्हनें कई तरह के नुकसान झेलती हैं–उच्च जोखिम वाला गर्भधारण, एनीमिया, शिक्षा रुकना, मानसिक आघात और घरेलू बंदी। फिर भी, आशा की किरणें बची हैं। नूर स्कूल लौट गई; रूपा देवी स्वरोजगार समूह चलाती हैं; सालवीना ने दो बाल विवाह रोके; अंजलि पुलिस के साथ लड़कियों को बचाने में सहयोग करती हैं। उनका प्रतिरोध संस्थागत खामियों के बीच क्षमता की झलक दिखाता है।

संविधान से हटाकर सामान्य कानून के तहत लाया जा रहा है!

नारी वंदन अधिनियम की राजनीति: महिला आरक्षण से कितने बदलेंगे हालात

राजनीतिक विश्लेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

संसद का विशेष सत्र में नारी वंदन अधिनियम लागू कर दिया गया। इसी के साथ लोकसभा क्षेत्र के परिसीमन की भी बात की जा रही है इस नए डीलिमिटेशन बिल के माध्यम से जहां महिलाओ को सदन में 33त्न आरक्षण देने का गजट जारी हो चुका है। अब राजनिती के प्वाइंट टेबल का सारा समीकरण दिलचस्प होगा। देश का नरेटिव दो हिस्सों में चल रहा है। महिलाओं को चर्चा का हिस्सा बनाया जा रहा है चाहे वो सोनम रघुवंशी के रूप में हो या किसी प्रियंका के रूप में, चाहे मोनालिसा के रूप में हो या हर उस महिला के रूप में जो आजकल के स्ट्रेटेजिक मास्टर प्लान का अनचाहे ही हिस्सा बनते जा रही है। इसमें इन्फ्लूएंशर कनिका शर्मा भी है, वायरल बड़ा पाव गर्ल चंद्रिका दीक्षित भी है और कई सारी है जिनको आगे कर महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को बढ़ाया अथवा रोका जा सकता था।

इन सभी चर्चाओं में या तो महिलाओं को डराया जाए या फिर अपनी फेमिनिज्म की रक्षा के लिए खुद को डिफेंड करने के लिए बोलने पर सदन में मजबूर किया जाए । जब दोनों तरफ की राजनीति दो हिस्से बंट जाएं तो आरक्षण के हिसाब से उनका उनकी क्रेडिबिलिटी के हिसाब से भविष्य में इस्तेमाल कर लिया जाएगा। कुल मिलाकर निष्कर्ष निकाले तो महिला आरक्षण के दौर में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, लेकिन अगर उन्हें सिर्फ नैरेटिव का हिस्सा बनाकर पेश किया जायेगा , तो असली सशक्तिकरण की जगह प्रतीकात्मक राजनीति हावी हो सकती है। सरकार ने सरकार के मंत्रियों ने और खुद प्रधानमंत्री ने इस बिल का जिक्र करते हुए कहा हर राज्य में डेढ़ गुना सीट हो जाएगी और आनुपातिक रूप से यह प्रतिनिधित्व बढ़ा दिया जाएगा। असम का आने वाला विधानसभा चुनाव का परिणाम इसकी समीक्षा करेगा ?

हो सकता है वहां पॉपुलर वोट कांग्रेस को ज्यादा मिले लेकिन सीट भारतीय जनता पार्टी को ज्यादा तो और बेहतर समझने के लिए अपने-अपने शहर के भाजपा शासित राज्यों के नगर पालिका वार्डो के नए परिसीमन को भी हम देख सकते हैं जहां पर भी लगभग इसी तरह की कोशिश की जाती रही है। कांग्रेस के वोट जिन क्षेत्रों में है वह वार्ड 1000 के ऊपर की जनसंख्या के निर्धारित किए जा रहे हैं जबकि जो क्षेत्र भारतीय जनता पार्टी के प्रति प्रतिबद्ध है वहां पर 300 ड्र400 वोटो के, यह अनुपात प्रति 1000 वोटो को लेकर है। इस आधार वार्ड बनाकर परिसीमन के इस खेल में स्थानीय चुनाव आयोग अपना मुंह काला करता रहा है। एक पार्टी विशेष के हित में होगी,और एक महत्वपूर्ण बात और इस बिल में है इस धारा 81 में जो परिवर्तन किया जा रहा है उसे संविधान से हटाकर सामान्य कानून के तहत लाया जा रहा है! ताकि कभी भी उस कानून को बनाने हटाने के लिए तीन चौथाई बहुमत की आवश्यकता नहीं रहे सामान्य बहुमत से भी ऐसा किया जा सके? देश की सत्ता को चोरी से हथियाना के लिए मशीनों के खेल स्पेशल इंटेंसिव रीविजन के नाम से मतदाताओं का डीलेशन, और अब परिसीमन ?

आखिर सत्ता इतनी कमजोर क्यों नजर आ रही है ? और इसी बात को लेकर पूरे देश में विमर्श स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। लेकिन सच्चाई यह है कि इस बिल के माध्यमसे प्रत्येक राज्य में जो सीट बढ़ाई जा रही है वह आनुपातिक रूप से इस बिल में अंकित नहीं की गई है! सन 1971 के पहले संविधान में स्पष्ट लिखा हुआ था हर जनगणना के बाद लोकसभा क्षेत्र में नए सिरे से परिसीमन किया जाएगा। लेकिन 1971 में संविधान के क्षेत्र 81 मेंबदलाव किया गया था और यह लिखा गया था जो वर्तमान में लोकसभा की सीट हैं उन्होंने परिवर्तन नहीं किया जाएगा परिसीमन के बाद भी । आपातकाल के बाद जब पहली गैर कांग्रेसी सरकार आई तब भी इस संविधान के संशोधन को नहीं बदला गया बाद में जब 2001 में अटल बिहारी वाजपेई जी की सरकार आई और यही सवाल उठा तो उन्होंने कहा इस बोतल के ढक्कन को बंद रहने दिया जाना चाहिए वरना इसमें से जो जिन्न निकलेगा , वह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था कोअस्त व्यस्त कर सकता है ? उस समय भी इसका परिवर्तन नहीं किया गया और आज तक वही कलेवर है ? तब से ही संविधान का क्षेत्र 81 लोकसभा सीटों के निर्धारण में एक मार्गदर्शक भूमिका अदा करता रहा है!

नारी वंदन अधिनियम एवं डीलिमिटेशन बिल के इस माध्यम से सरकार की जो मूल मंशा है वह चौंकाने वाली है। सरकार बिल लाने के पूर्व अपने वक्तव्य में कह रही है की हर राज्य की 50त्न सीट बढ़ जाएगी, लेकिन दूसरी तरफ नारी आरक्षण के नाम पर की जा रही इस कवायद को डेलीटेशन बिल में यह कहकर ओवरलैप किया जा रहा है, परिसीमन का परिवर्तन जो भी वर्तमान में अंतिम जनगणना है उसके आधार पर किया जाएगा । बस यही से नेताओं की सत्ता का खेल प्रारंभ हो रहा है।

अगर हर राज्य में आनुपातिक रूप से 50त्न बढ़ाया जाता तो शायद उचित था?

सरकार जो कह रही है उस भाषा के अनुसार तो तमिलनाडु में 39 से 59 सीट हो जानी चाहिए केरल में 20 से 30 सीट हो जानी चाहिए और उत्तर प्रदेश में 80से 120 लेकिन अगर डीलिमिटेशन कानून के साथ इस नारी वंदन अधिनियम को जोड़ाजाए तो तमिलनाडु में यह 50, केरल में सिर्फ 23 और बिहार में 60 की जगह 72 और उत्तर प्रदेश में 120 की जगह 138 हो जाएगी। विपक्ष की माने तो जो सरकार विरोधी क्षेत्र है वहां सीटें कम करने का प्रयास किया जा सकता है, और जहां सरकार के पक्ष के क्षेत्र हैं वहां सीटों की संख्या अपेक्षाकृत ज्यादा बढ़ाए जाने की कोशिश की जा सकती है । असम इसके प्रयोगशाला थी जहां अभी विधानसभा चुनाव में इसी परिसीमन के आधार पर भारतीय जनता पार्टी बहुमत का दावा कर रही है।

गायन में प्रयोग की आशा... उम्र भी नहीं लगा पाई आवाज पर पहरा

वह संगीत की आशा थीं। आवाज की विविधता और साज पर पकड़ जिनका जुनून था। चुलबुले गायन की छाप की साया से खुद को दूर करने की लड़ाई थी तो अपनी ही बड़ी बहन लता की खींची लकीर को पार पाने की चुनौती। आशा भोसले ने जीवन के उतार-चढ़ाव के साथ ही गायन की विविधता में कमाल का मुकाम हासिल किया।

ओ मेरे सोना रे सोना रे..., पिया तू अब तो आजा और दम मारो दम जैसे गीतों के बाद जिनकी गायकी में एक ठप्पा लग गया हो, उनका अपनेआप को बदलना। समय की मांग के मुताबिक गीतों को गाकर इतिहास रचना, कोई जादुई कहानी जैसा ही है। ऐसे माहौल मेंदिल चीज़ क्या है, इन आंखों की मस्ती के और ये क्या जगह है दोस्तो गाकर वह तमाम संगीतकारों के लिए आशा की दरिया बन गयीं। फिर गीतों की लहरें ऐसी बहीं कि अधेड़ उम्र में आते-आते उन्होंने जवानी की दहलीज पर कदम रख रही युवती के फिल्मांकन के गीत गाकर सबको हतप्रभ तो किया ही, आलोचकों का मुंह भी बंद कर दिया। आशा ताई के नाम से प्रसिद्ध दिग्गज गायिका आशा भोसले को हो जा रंगीला रे और मधुबन में जो कन्हैया किसी गोपी से मिले... राधा कैसे न जले जैसे गीत गाकर जबरदस्त प्रशंसा मिली। इन सबके साथ ही कुछ वर्ष पूर्व 90 साल की उम्र में लाइव कंसर्ट कर सबको चौंकाने वाली आशा ने सचमुच साबित किया था कि उनके सुरों पर पारिवारिक और संगीत जगत की चुनौतियों से लेकर उम्र का भी पहरा नहीं लग सका। मीना कुमारी और मधुबाला से लेकर काजोल और उर्मिला मातोंडकर तक परदे की नायिकाएं बदलती रहीं, लेकिन आशा एक ऐसी कड़ी बनी रहीं, जिसने अतीत को वर्तमान से जोड़े रखा। साड़ी पहने, माथे पर सलीके से सजी बिंदी और करीने से बंधे बाल- आशा भोसले की यही छवि उनके प्रशंसकों के दिलों में सदा जीवित रहेगी।

ऐसी बहुमुखी प्रतिभा की धनी आशा भोसले के निधन के साथ ही भारतीय संगीत की बहुरंगी आवाज खामोश हो गई। उन्होंने कई पीढ़ियों तक श्रोताओं के दिलों पर राज किया। एक दौर में दोनों बहनें- लता और आशा ऐसी आवाजें थीं, जिन्होंने संगीत की दुनिया पर राज किया। देखिए नियति का कैसा संयोग है कि दोनों बहनों ने 92 वर्ष की आयु में ही इस नश्वर संसार से विदाई ली। आशा भोसले को संगीत की दुनिया में केवल उनके लंबे सफर ने सबसे अलग नहीं बनाया, बल्कि हर दौर में खुद को समय के अनुसार नए सिरे से गढ़ लेने की उनकी अद्भुत क्षमता ने भी उन्हें अलग पहचान दिलाई।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

जब पुलिस भी अंदर का नजारा देखकर रह गई दंग, कमरे में फैला था खून ही खून, पड़े थे 2 मासूम बच्चियों के शव

पिता ने अपनी दो नाबालिग बेटियों का किया बेरहमी से कत्ल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। एक पिता ने अपनी 11 साल की जुड़वा बेटियों की हत्या कर दी। आरोपी पिता ने बेरहमी से दोनों बेटियों का गला रेत दिया। दोनों मासूम बेटियों के नाम रिद्धि-सिद्धि थे। रविवार प्रातः लगभग 04~30 बजे यूपी-112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई सूचना पर पुलिस जब अपार्टमेंट में पहुंची तो अंदर का नजारा देखकर दंग रह गई। कमरे में खून ही खून फैला था और मासूम बच्चियों के शव पड़े थे।

जानकारी के अनुसार, यह दिल दहला देने वाली घटना जिले के नौबस्ता थाना क्षेत्र में स्थित त्रिमूर्ति अपार्टमेंट की है। पुलिस द्वारा बताया गया कि अपार्टमेंट के एक फ्लैट में अभिरंजन मिश्रा अपनी तीन बच्चों और पत्नी के साथ रहता है। पारिवारिक कलह के चलते वह काफी समय से डिप्रेशन में चल रहा था। जिसके चलते शनिवार रात को खाना खाने के बाद अभिरंजन अपनी दो जुड़वा बेटियों के साथ कमरे में सोने चला गया था। जबकि उसकी पत्नी अपने बेटे के साथ दूसरे कमरे में सो रही थी।रात में पिता अभिरंजन ने 11 साल की दोनों बेटियों रिद्धि और सिद्धि की गला काटकर हत्या कर दी। सुबह करीब 4.30 बजे पुलिस को वारदात की सूचना मिली। नौबस्ता थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस जब कमरे में दाखिल हुई तो वहां खून ही खून फैला था। जानकारी मिलने पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम द्वारा भी घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण एवं साक्ष्य संकलन किया गया है। मृतक बालिकाओं के पिता को गिरफ्तार कर लिया गया तथा शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम हेतु भेजा गया।

नजूल भूमि फर्जीवाड़े पर लगेगी लगाम, खतौनी होगी ऑनलाइन, एक क्लिक पर दिखेगा ब्योरा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर नजूल भूमि पर फर्जीवाड़े और अवैध कब्जों को रोकने के लिए सरकार अब खतौनी ऑनलाइन कर रही है, जिससे 1465 संपत्तियों का रिकॉर्ड पारदर्शी होगा।

प्रदेश सरकार नजूल भूमि में हो रहे फर्जीवाड़े को रोकने के लिए बड़ा कदम उठा रही है। अब नजूल भूमि की खतौनी ऑनलाइन की जाएंगी, जिससे जमीन का पूरा ब्योरा एक क्लिक पर मिलेगा। यह व्यवस्था अगले एक से दो माह में लागू होने की तैयारी है। जिले में कुल 1465 नजूल संपत्तियां हैं, जिनका क्षेत्रफल करीब 38.76 लाख वर्ग मीटर है।

इन जमीनों पर लंबे समय से अवैध कब्जे और फर्जी बिक्री की शिकायतें मिल रही थीं। हाल ही में जिला प्रशासन ने सिविल लाइंस क्षेत्र की 24.77 करोड़ रुपये कीमत की नजूल भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। नजूल भूमि के पट्टों का नवीनीकरण सामान्यतः तीस-तीस साल के अंतराल पर दो बार होता है। फर्जी बैनामों पर लगेगी रोकपिछले एक वर्ष से सरकार ने नवीनीकरण पर रोक लगा रखी है। इस दौरान भूमि का व्यापक सर्वे कराया जा रहा है, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। ऑनलाइन खतौनी से स्वामित्व और पट्टा अवधि पारदर्शी रूप से उपलब्ध होगी। उप निबंधक कार्यालयों को भी जानकारी सीधे मिलेगी, जिससे फर्जी बैनामों पर रोक लगेगी। क्या है नजूल भूमिनजूल भूमि वह जमीन है जो ब्रिटिश काल में राजा-महाराजाओं के पास थी। आजादी के बाद यह जमीन सरकार के अधिकार में आ गई। सरकार इस भूमि का उपयोग सार्वजनिक हित में जैसे स्कूल, कॉलेज और अस्पताल के लिए करती है। आमतौर पर ऐसी जमीन नब्बे साल के पट्टे पर दी गई थी, जिसका नवीनीकरण हर तीस साल में करना होता है। ऑनलाइन खतौनी व्यवस्था से नजूल भूमि से जुड़े विवादों में कमी आने की उम्मीद है। अभी नान जेडए (आवासीय या निजी पट्टे की जमीन) की भूमि की खतौनियां ऑनलाइन दर्ज की जा रही हैं। इसके बाद नजूल की संपत्तियां भी ऑनलाइन दर्ज होंगी। जिससे रिकॉर्ड आनलाइन हो सके।

कर्ज का कहर: मां मरी, भाई गया और अब उजड़ गया खुशबू का सिंदूर, 'होम लोन' बना मौत का सबब, हफ्ते भर की मासूम अनाथ

» बीपीएस न्यूज

हमीरपुर में होम लोन और उधारी के दबाव में सीएससी संचालक अंकित ने आत्महत्या कर ली। चार साल में मां और भाई को खोने के बाद अब अंकित की मौत से परिवार अनाथ हो गया है।हमीरपुर जिले के भरुआ सुमेरपुर कस्बे में जनसेवा केंद्र संचालक अंकित ओमर की आत्महत्या के मामले में कर्ज का दबाव मुख्य वजह बनकर सामने आया है। होम लोन व करीबी लोगों से पैसा उधार लेकर दो मंजिला मकान बनवाया था। उधारी को चुकाने का दबाव था, जिसको लेकर वह परेशान था।पति की मौत से पत्नी बदहवास है। उसका कहना है कि उन्हें बस इनता पता है कि पति ने कर्ज लेकर मकान बनवाया था। बैंक का नाम मालूम नहीं है। अंकित की पत्नी खुशबू के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। वह कभी दहाड़ मारकर रोने लगती तो कभी बेहोश हो जाती।पहले से ही परिवार कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था दो बेटियों की परवरिश कैसे होगी, बस यही शब्द मुंह से निकल रहे हैं। उन्होंने बताया कि परिवार पहले से ही कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था। ससुर के लापता होने के बाद सास सीता पुखरायां से आकर कस्बे में किराये के मकान में रहने लगी थीं। सीएससी आईडी के माध्यम से लिया था होम लोनइसके बाद में कांशीराम कॉलोनी में आवास मिलने पर परिवार यहीं बस गया। अंकित ने जनसेवा केंद्र खोलकर घर की जिम्मेदारी संभाली। जनसेवा केंद्र संचालन से आय ठीक होने लगी तो वार्ड-15 में एक प्लॉट खरीद लिया। खुशबू ने बताया कि सीएससी आईडी के माध्यम से होम लोन लिया था। कर्ज ही मेरे पति की मौत का कारण बनादोस्तों और रिश्तेदारों से भी कर्ज लिया था। करीब 25 से 30 लाख की लागत से दो मंजिला मकान तैयार कराया था। कर्ज चुकाने का दबाव बढ़ने लगा और बैंक की किस्त जमा करने में भी दिक्कतें आने लगीं। वह अपनी परेशानी कभी नहीं बताते थे। कर्ज ही मेरे पति की मौत का कारण बन गया। चार साल में सब उजड़ गयाखुशबू ने बताया कि चार साल में मेरा सब कुछ उजड़ गया। वर्ष 2022 में मां सीता की मौत हो गई। यह परिवार के लिए सबसे बड़ा झटका था। सास की मौत के बाद परिवार पर दुखों का बोझ और बढ़ गया। बीते वर्ष देवर अमर की भी मौत हो चुकी है। अब पति की मौत से सब कुछ उजड़ गया।पति ने ही रखा था बेटी का नाम गौरीपत्नी खुशबू ने बताया कि पति की मौत के बाद परिवार पर संकट आ गया है। उनकी दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी गौरी (5) पूर्ण रूप से दिव्यांग है। दूसरी बेटी का जन्म अभी पिछले सप्ताह ही हुआ है। बड़ी बेटी को अंकित बहुत चाहते थे। उन्होंने ही उसका नाम गौरी रखा था।कर्ज का कहर~ मां मरी, भाई गया और अब उजड़ गया खुशबू का सिंदूर, 'होम लोन' बना मौत का सबब, हफ्ते भर की मासूम अनाथ हमीरपुर जिले के भरुआ सुमेरपुर कस्बे में जनसेवा केंद्र संचालक अंकित ओमर की आत्महत्या के मामले में कर्ज का दबाव मुख्य वजह बनकर सामने आया है। होम लोन व करीबी लोगों से पैसा उधार लेकर दो मंजिला मकान बनवाया था। उधारी को चुकाने का दबाव था, जिसको लेकर वह परेशान था।पति की मौत से पत्नी बदहवास है। उसका कहना है कि उन्हें बस इनता पता है कि पति ने कर्ज लेकर मकान बनवाया था। बैंक का नाम मालूम नहीं है। अंकित की पत्नी खुशबू के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। वह कभी दहाड़ मारकर रोने लगती तो कभी बेहोश हो जाती। पहले से ही परिवार कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था दो बेटियों की परवरिश कैसे होगी, बस यही शब्द मुंह से निकल रहे हैं। उन्होंने बताया कि परिवार पहले से ही कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था। ससुर के लापता होने के बाद सास सीता पुखरायां से आकर कस्बे में किराये के मकान में रहने लगी थीं।सीएससी आईडी के माध्यम से लिया था होम लोनइसके बाद में कांशीराम कॉलोनी में आवास मिलने पर परिवार यहीं बस गया। अंकित ने जनसेवा केंद्र खोलकर घर की जिम्मेदारी संभाली। जनसेवा केंद्र संचालन से आय ठीक होने लगी तो वार्ड-15 में एक प्लॉट खरीद लिया। खुशबू ने बताया कि सीएससी आईडी के माध्यम से होम लोन लिया था।कर्ज ही मेरे पति की मौत का कारण बना दोस्तों और रिश्तेदारों से भी कर्ज

100 करोड़ की आस्था पर चोट, लव जिहाद का एक ही इलाज, एकजुटता : ज्योति बाबा

आज की बेटी, कल की संस्कृति, लव जिहाद से जनसंख्या जनसांख्यिकीय युद्ध बंद करो

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रेम पवित्र बंधन है पर जब प्रेम का मुखौटा लगाकर पहचान छुपाई जाए और शादी को धर्मांतरण का हथियार बनाया जाए तो वह लव नहीं, जिहाद बन जाता है इसे रोकना हर सनातनी का कर्तव्य है उपरोक्त बात हिंदू बेटी बचाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान में 18 अप्रैल को जीएनके कॉलेज से प्रातः 10~30 बजे एक युद्ध लव जिहाद के विरुद्ध शीर्षक से उठने वाले सनातन जागरूकता जुलूस हेतु विभिन्न संगठनों की सामूहिक तैयारी बैठक में समिति के संरक्षक अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के प्रमुख, एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड धारी योग गुरू ज्योति बाबा ने कहीं।

ज्योति बाबा ने आगे कहा कि कई मामलों में सामने आया है कि नाम बदलकर दोस्ती की जाती है भावनाओं से खेला जाता है शादी के बाद धर्म बदलने का दबाव बनाया जाता है लड़की का घर,नाम,त्यौहार,रीति रिवाज सब बदल दिए जाते हैं एक पीढ़ी में ही परिवार अपनी सांस्कृतिक जड़ों से कट जाता है यह सिर्फ एक लड़की की नहीं पूरी सभ्यता की हानि है और बहुत जगह तो 35 टुकड़ों में काट भी दिया जाता है। हिंदू जागरण मंच के प्रांत प्रमुख,समिति के मुख्य कार्यक्रम संयोजक पियूष रंजन सनातनी ने जोर देकर कहा कि लव जिहाद के कारण शादी के बाद बच्चे जिस धर्म में पलते हैं।

उस परिवार की 1000 साल पुरानी परंपरा एक झटके में खत्म हो जाती है और जब विवाह का मकसद प्रेम न होकर धर्मांतरण हो तो यह समाज का संतुलन बिगाड़ता है इसीलिए 18 अप्रैल को प्रदेश के सभी जागरुक हिंदू संगठन व सनातन प्रेमी एकजुट होकर इस पर और ठोस कार्यवाही करने की मांग को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी को एक ज्ञापन देने जा रहे हैं और सभी से शामिल होने का आवाहन व्यापक हिंदू हित में बेटी हित में कर रहे हैं। समिति के डॉ अतुल कुमार मिश्रा सनातनी ने कहा कि हर हिंदू घर में बेटियों को सतर्क करने का 18 अप्रैल से अभियान विभिन्न संगठनों के सहयोग से शुरू किया जा रहा है।

समिति के कार्यक्रम संयोजक मयंक त्रिपाठी,टिंकू वाल्मीकि एवं अमित सिंह रोबिन ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रेम का सम्मान पर छल का विरोध होगा। बेटी बचेगी तो संस्कृत बचेगी, संस्कृत बचेगी तो सनातन बचेगा, इसीलिए आंख बंद करके नहीं, आंख खोलकर रिश्ते देखो, लव जिहाद का विरोध करो, धर्म संस्कृति की रक्षा करो। अन्य समिति के प्रमुख सनातनी डा. आर सी शर्मा, कुशल पाल सिंह, धर्मेंद्र वर्मा, अमित चौहान, आलोक दुबे, नीरज श्रीवास्तव, शिखा पांडे, अलका कालरा इत्यादि थी।

पत्नी भी गई और प्रेमिका भी, सनकी प्रेमी ने रची खूनी साजिश, गला घोंटकर ली जान, खुला राज

सिपाही की बहन की हत्या का 24 घंटे में खुलासा; मुठभेड़ में प्रेमी और उसका साथी गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर/महोबा।शादी तय होने से नाराज प्रेमी ने साथी के साथ मिलकर सिपाही की बहन की हत्या कर दी। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दोनों आरोपियों को पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार किया है।महोबा जिले में सिपाही के बहन की हत्या उसके प्रेमी ने साथी के साथ मिलकर की थी। प्रेम प्रसंक की जानकारी होने पर पत्नी के छोड़कर जाने और प्रेमिका की शादी दूसरी जगह तय होने से वह नाराज था। उसने अपने साथी के साथ मिलकर घटना अंजाम दी।पुलिस ने मुठभेड़ में दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एक मोहल्ला निवासी 20 वर्षीय युवती की शादी सात जुलाई को होनी थी। सोमवार की रात युवती घर से निकल गई थी। मंगलवार सुबह उसका शव घर से करीब 300 मीटर दूर स्थित पहाड़ के किनारे मिला था। खुलासे के लिए गठित की गई थीं चार टीमेंपुलिस ने युवती का मोबाइल जब्त करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। एसपी शशांक सिंह ने घटना के खुलासे के लिए चार पुलिस टीमें गठित की थीं। युवती के पिता की तहरीर पर धर्मेंद्र कुमार निवासी डहर्रा व सुमित सिंह मवईखुर्द के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई थी।घेराबंदी करने पर पुलिस टीम पर फायरिंगसर्विलांस के माध्यम से आरोपियों की लोकेशन मिलने पर पुलिस बुधवार सुबह डहर्रा मार्ग पर चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान बाइक से आ रहे दो लोगों ने पुलिस देख भागने का प्रयास किया। घेराबंदी करने पर दोनों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।पत्नी को हो गई थी प्रेम प्रसंग की जानकारीइससे एक छर्रा कोतवाली प्रभारी मनीष कुमार पांडेय का लगा। जवाब में पुलिस ने फायरिंग की। मुठभेड़ में आरोपी धर्मेंद्र कुमार व सुमित सिंह के पैर में गोली लगी। पूछताछ में सुमित सिंह ने बताया कि उसका युवती से प्रेम-प्रसंग था। इसकी जानकारी उसकी पत्नी को हो गई थी। गला दबाकर हत्या कर दीइससे वह उसे छोड़कर चली गई थी। प्रेमिका की शादी भी दूसरी जगह तय हो जाने से आक्रोशित होकर उसने साथी धर्मेंद्र के साथ मिलकर युवती की हत्या की योजना बनाई थी। देर रात युवती को मिलने के बहाने बुलाया और गला दबाकर हत्या कर दी।

बरामद मोबाइल से मिले थे अहम सुरागपुलिस अधीक्षक शशांक सिंह ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि सीसीटीवी फुटेज व युवती से बरामद मोबाइल से अहम सुराग मिले थे। सुमित मुख्य आरोपी है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त गमछा, बाइक, तीन मोबाइल फोन, दो तमंचा व कारतूस बरामद हुए हैं। शहर के एक मोहल्ले में सोमवार की देर रात सिपाही की छोटी बहन की मारपीट के बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई थी। आरोपी घर से 300 मीटर दूर पहाड़ी के जंगल में शव फेंककर भाग गया था। मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा था। युवती का भाई जनपद सोनभद्र में कांस्टेबल के पद पर तैनात है।सात जुलाई को बरात आना थी युवती पिता की तहरीर पर दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एक मोहल्ला निवासी 20 वर्षीय युवती की शादी परिजन ने तय कर दी थी। सात जुलाई को बरात आना थी। परिजन शादी की तैयारियों में जुटे थे। सोमवार रात युवती परिजन के साथ घर पर थी। चेहरे पर चोट के निशान थे देर रात जब परिजन सो गए तो युवती घर से निकल गई। मंगलवार सुबह छह बजे परिजन उठे तो युवती गायब मिली। खोजबीन करने पर घर से करीब 300 मीटर दूर स्थित पहाड़ के किनारे उसका शव मिला। युवती के चेहरे पर चोट के निशान थे और उसकी आंख स्पष्ट नहीं दिख रही थी। मारपीट के बाद गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि सूचना पर अपर एसपी वंदना सिंह, कोतवाली प्रभारी मनीष कुमार पांडेय, फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचे और घटनास्थल की जांच की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मारपीट के बाद गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। युवती के भाई ने बताया कि बहन कक्षा 12 तक पढ़ी थी और सात जुलाई को उसकी शादी होना थी। रात दो बजे के बाद युवती घर से अकेली निकली

सपा नेता से वरिष्ठ अधिवक्ता ने बताया अपनी जान को खतरा

न्यायालय को भी गुमराह करने की कोशिश, जमानती कोई और फोटो किसी और की

हाई टेंशन के नीचे खुलेआम सपा नेता चला रहा अवैध स्कूल! सपा शासन में सांसद और विधायक निधि से कर दिया खेल !

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व राष्ट्रीय सचिव अंबेडकर वाहिनी अशोक यादव द्वारा संचालित अवैध विद्यालय कभी भी मासूम बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। ग्राम माधो पुर देवरिया निवासी अशोक यादव नेशनल बिल्डिंग कोड का खुलेआम उल्लंघन कर 33 हजार वोल्ट के नीचे स्कूल संचालित कर रहा है। न ही इसका नक्शा पास है, न ही भू प्रयोग परिवर्तित कराया गया है। इतना ही नहीं, विद्यालय की मान्यता भी झूठे दस्तावेजों के आधार पर ली गई और सपा शासन काल में स्कूल के नाम पर सांसद और विधायक निधि ले ली गई। इस निधि से सपा नेता ने अपना मकान बनवा डाला और जमीन खरीदी।वार्ता में अधिवक्ता जे पी यादव ने बताया कि इस मामले में सभी अभियुक्त माननीय उच्च न्यायालय गए, जहां माननीय उच्च न्यायालय ने अशोक यादव और अन्य के प्रार्थना पत्र को निरस्त करते हुए जमानत हेतु दिशा निर्देश पारित किया। जिसके अनुपालन में अशोक यादव व अन्य अभियुक्तगण ए.सी.जे. (जू0 डी0) 11, कानपुर नगर में आत्मसमर्पण करके अस्थायी जमानत प्राप्त की है। इसमें भी न्यायालय को गुमराह करने की कोशिश की गई। किसी अन्य की फोटो लगाकर अशोक कुमार यादव की जमानत ली है।इस संबंध में पीड़ित अधिवक्ता जय प्रकाश यादव ने माननीय न्यायालय में इन सभी के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज कर विधिक कार्यवाही का प्रार्थना पत्र दिया है। सपा नेता अशोक यादव और उप निरीक्षक विवेक कुमार यादव द्वारा किसी भी समय पीड़ित अधिवक्ता की हत्या करवाई जा सकती है। अधिवक्ता जय प्रकाश यादव द्वारा ई डी के साथ ही प्रधान मंत्री कार्यालय, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी व समस्त विभागों ने माना कि विद्यालय अवैध रूप से चल रहा है।

कार्यवाही के लिए जिलाधिकारी देवरिया और एस डी एम सलेमपुर देवरिया को अग्रसारित भी किया। इसी रंजिश में सपा नेता और उसका एस आई भतीजा अपने साथियों के साथ अधिवक्ता को रास्ते से हटाना चाहता है। वार्ता में प्रमुख रूप से अधिवक्ता रोहित कुमार यादव, अधिवक्ता जय प्रकाश यादव, रविन्द्र सिंह अरोड़ा, तौफीक अहमद, शोभित यादव आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

कानपुर में पीएनजी गैस कनेक्शन विस्तार पर बैठक, उपभोक्ताओं को तेजी से कनेक्शन देने के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अपर जिलाधिकारी (नगर) डॉ. राजेश कुमार की अध्यक्षता में जनपद कानपुर नगर में पीएनजी गैस कनेक्शनों के विस्तार के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (नागरिक आपूर्ति), जिला पूर्ति अधिकारी, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा, पीएनजी गैस कंपनियों के प्रतिनिधि, गैस डिस्ट्रीब्यूटर, व्यापार मंडल के पदाधिकारी तथा होटल एवं बैंक्वेट हॉल संचालक उपस्थित रहे।बैठक में पीएनजी गैस कंपनियों द्वारा जनपद में गैस पाइपलाइन विस्तार एवं उपभोक्ताओं को कनेक्शन उपलब्ध कराने की प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।सीयूजीएल के सीनियर मैनेजर ने अवगत कराया कि रामादेवी से कल्याणपुर तक गैस पाइपलाइन नेटवर्क स्थापित है। वर्तमान में 1,31,000 घरेलू, 460 वाणिज्यिक तथा 152 औद्योगिक कनेक्शन संचालित हैं। प्रति सप्ताह लगभग 350 से 400 घरेलू, 7 से 11 वाणिज्यिक तथा 1 औद्योगिक कनेक्शन जारी किए जा रहे हैं। उपभोक्ता अपनी समस्याओं के समाधान हेतु जूही एवं लखनपुर स्थित कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं। वाणिज्यिक कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। पंजीकरण शुल्क 3000 रुपये निर्धारित है। पाइपलाइन उपलब्ध होने पर 10 दिन तथा अन्यथा 30 से 45 दिनों में कनेक्शन प्रदान किया जाता है।आईजीएल के जीए हेड ने बताया कि रूमा से फतेहपुर तक लगभग 750 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। वर्तमान में 7667 घरेलू, 25 वाणिज्यिक एवं 5 औद्योगिक कनेक्शन संचालित हैं। प्रति सप्ताह लगभग 20 घरेलू, 1 वाणिज्यिक एवं 1 औद्योगिक कनेक्शन जारी किए जा रहे हैं। उपभोक्ता रूमा स्थित पीएनजी स्टेशन कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं आवेदन कर सकते हैं।होटल, रेस्टोरेंट एवं बैंक्वेट हॉल के लिए आवश्यक अभिलेखों में जीएसटी, फूड लाइसेंस, आधार कार्ड एवं पैन कार्ड शामिल हैं।बैठक में उपस्थित होटल एवं बैंक्वेट हॉल संचालकों को अपने प्रतिष्ठानों में पीएनजी गैस कनेक्शन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही सीयूजीएल एवं आईजीएल के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने कार्यालयों में कॉल सेंटर स्थापित करें तथा मानव संसाधन बढ़ाएं, ताकि आवेदनों का शीघ्र निस्तारण कर उपभोक्ताओं को समयबद्ध कनेक्शन उपलब्ध कराया जा सके।इसके अतिरिक्त होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों से अपेक्षा की गई कि वे आपसी समन्वय स्थापित कर पाइपलाइन उपलब्धता के आधार पर संभावित उपभोक्ताओं की सूची तैयार कर संबंधित कंपनियों को उपलब्ध कराएं। किसी प्रकार की समस्या होने पर जिला पूर्ति अधिकारी अथवा अपर जिलाधिकारी (नागरिक आपूर्ति) को सूचित करने के निर्देश दिए गए।

तिलक समारोह से लौटते समय हादसा, तीन की मौत और एक गंभीर

कानपुर । बिल्हौर से तिलक समारोह से लौट रहे बाइक सवार परिवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे मासूम सहित तीन की मौत हो गई और एक घायल है।कानपुर में बिल्हौर के शिवराजपुर में दुबियाना अंडरपास के ऊपर हाईवे पर चार बाइक सवारों को अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक की हालत गंभीर बनी हुई हैं। बताया जा रहा है कि ये लोग गुरुवार सुबह बिल्हौर से भांजे के तिलक समारोह से वापस घर लौट रहे थे।बिठूर थाने के बाकरगंज गांव निवासी विनोद निषाद (45), रामनारायण (52) और पियूष निषाद (11) की मौके पर मौत हो गई। वहीं, घायल दीक्षा को रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।

सेना में नौकरी का झांसा दे ठगने में फर्जी नायाब सूबेदार गिरफ्तार, मिलिट्री इंटेलीजेंस ने दी थी सूचना

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चकेरी पुलिस ने सेना में नौकरी का झांसा देकर ठगी करने के आरोप में गोरखपुर के पिपरही गांव के शिवम यादव उर्फ कुणाल सिंह यादव को गिरफ्तार किया है।

वह फर्जी नायब सूबेदार बनकर युवाओं के खेल कोटे का प्रमाण पत्र समेत अन्य दस्तावेज बनवाने का कार्य कर रहा था। उसके खिलाफ मिलिट्री इंटेलीजेंस ने सूचना दी थी। पुलिस को आरोपी के पास से सेना की वर्दी, बैग, एटीएम, पैन कार्ड, कैंटीन कार्ड, मेडल व अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं।

एडीसीपी क्राइम व पूर्वी अंजलि विश्वकर्मा ने बताया कि चकेरी, कैंट और आसपास के क्षेत्र में सेना की वर्दी में एक युवक के टहलने और लोगों के प्रमाण पत्र बनवाने की सूचना आ रही थी। मिलिट्री इंटेलीजेंस भी इसकी जानकारी दे रही थी। चकेरी पुलिस ने आरोपी की सूचना एकत्रित की और उसे शनिवार को नौबस्ता अंडरपास के पास से गिरफ्तार किया।

उसके पास से बैग मिला है जिसमें चार युवकों के खेल कोटे के फर्जी प्रमाण पत्र मिले हैं। वह नायब सूबेदार बनकर युवाओं को झांसा दे रहा था। यह प्रमाण पत्र नवंबर से दिसंबर 2025 तक के रेसलिंग के बने हुए हैं। खेल प्रमाण पत्र के लिए अपना नाम कुणाल सिंह यादव और सेना में नौकरी के लिए शिवम यादव बताया करता था। चकेरी में किराये के मकान में रह रहा था। वहां के मालिक को भी सेना में नौकरी करने की झूठी बात बताई थी।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलने का दावा

चकेरी इंस्पेक्टर अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि आरोपी स्वयं को रेसलिंग में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का दावा कर रहा है। उसका कहना है कि 2021 में बागपत में हुई चैंपियनशिप में उसने प्रतिभाग किया था। वह सेना में नौकरी का प्रयास कर रहा था। किसी कारण से उसे नौकरी नहीं मिली जिस पर वह इस कार्य में लग गया। खेल कोटे के प्रमाण पत्र के लिए छह से 10 हजार रुपये लेता था। कानपुर में सेना की भर्ती निकलने की वजह से यहीं पर रुका हुआ था।

इंसास और कार्बाइन के साथ फोटो

एडीसीपी पूर्वी ने बताया कि आरोपी के पास से मोहर, इंक पैड, फोटो कॉपी दस्तावेज, 20 वर्दी वाले फोटो मिले हैं। इन फोटो में वह इंसास, कार्बाइन के साथ नजर वर्दी में आ रहा है। उसने परिवार में स्वयं को सेना में नौकरी करने की बात कही थी।

आरोपी के गोरखपुर, गोंडा, लखनऊ और कानपुर के युवाओं के फर्जी प्रमाण पत्र बनाने की संभावना है।

सेना के सहयोग से जांच की जा रही है। आरोपी को शनिवार को कोर्ट में पेश किया जहां से उसको जेल भेज दिया गया।

अखिलेश यादव ने जहां पी थी चाय, उस दुकान पर खाद्य विभाग का छापा, दुकानदार ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

» बीपीएस न्यूज

फतेहपुर। अखिलेश यादव की पसंदीदा चाय की दुकान पर फूड विभाग ने छापा मारकर सैंपल लिए हैं। दुकानदार ने इसे राजनीतिक द्वेष बताया है।फतेहपुर जिले में बेहरा चौकी के पास स्थित एक चर्चित चाय की दुकान में फूड सेफ्टी विभाग ने छापेमारी कर चाय का सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजा है। इसी दुकान में दो माह पहले पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने चाय पी थी। इसके बाद से दुकान तेजी से चर्चा में आई।दुकान मालिक शेषमन यादव ने बताया कि गुरुवार को फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारी व कर्मचार पहुंचे थे। उन्होंने चाय के सैंपल लिए, पूछा कि एल्युमिनियम के बर्तन में चाय क्यों नहीं बनाते हो। शेषमन का कहना है कि अखिलेश यादव के आने के बाद से ही परेशान किया जा रहा है।आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराई थी शिकायत उन्होंने बताया कि जब से अखिलेश यादव दुकान में आए हैं, तब से लोग परेशान कर रहे हैं। खाद्य निरीक्षक धीरेंद्र दीक्षित ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर अहमद ने शिकायत दर्ज कराई थी कि चाय बनाने में नियमों का पालन नहीं किया जा रहा। इस पर टीम ने सैंपल लिया है। कुल्हड़ में पी थी अखिलेश ने चाय बीते 20 फरवरी को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को खागा तहसील के अफोई गांव में पूर्व विधायक मोहम्मद शफीर के घर पहुंचे थे। वहां से लौटते वक्त खागा चौकी चौराहा पहुंचे,

शेषमन की दुकान में कुल्हड़ की चाय पी। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर फोटो भी वायरल की थी।

कानपुर की लेडी ठग गिरफ्तार- करोड़ों का फर्जीवाड़ा करने वाली 25 हजार की इनामी विभा सचान भेजी गई जेल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। फर्जी रजिस्ट्री के जरिए करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुजैनी पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रही 25 हजार रुपये की इनामिया महिला विभा सचान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।पुलिस के अनुसार आरोपी महिला बर्रा आठ की रहने वाली है और उस पर जूही, बर्रा, फीलखाना, काकादेव और गुजैनी थानों में करीब 10 मुकदमे दर्ज हैं।

गुजैनी थाना प्रभारी राजन शर्मा ने बताया कि इस मामले में बर्रा तीन स्थित जनता नगर निवासी भाजपा नेता आशीष प्रताप सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार उनके पिता रघुवीर सिंह ने काकादेव निवासी प्रॉपर्टी डीलर अमन सिंह के माध्यम से मेहरबान सिंह का पुरवा में 22 लाख रुपये में एक प्लॉट खरीदा था। बाद में जब प्लॉट को बेचने की कोशिश की गई तो सामने आया कि उसी जमीन की कई बार फर्जी रजिस्ट्रियां कर दी गई थीं।अमन सिंह के गिरोह में शामिल विभा सचान और अजय पटेल ने इस फर्जीवाड़े को अंजाम दिया। जब पीड़ित पक्ष ने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने उन्हें धमकाया। इस घटनाक्रम के चलते सदमे में आकर रघुवीर सिंह की मौत हो गई थी। पुलिस के मुताबिक, यह कोई पहला मामला नहीं था। बीते साल फरवरी में भी कई लोगों—राजीव सचान, जयपाल यादव, सुनील सिंह, योगेश सचान, ओपी यादव, सुधीर यादव, सुदेश चंद्र और प्रशांत मिश्रा—ने विभा सचान, उसके पति बाबू सचान और अजय पटेल समेत अन्य के खिलाफ फर्जी रजिस्ट्री के जरिए ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।जांच के दौरान पुलिस ने गिरोह के अन्य सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन विभा सचान लगातार फरार चल रही थी। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। थाना प्रभारी के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने रामगोपाल चौराहा से आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

नोएडा बवाल का कानपुर कनेक्शन- साजिश में शहर के चार युवकों पर शक की सुई, सीसी टीवी में कैद फुटेज में आए नजर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । नोएडा हिंसा के पीछे अंतरराज्यीय साजिश की आशंका के चलते एसटीएफ ने जांच तेज कर दी है, जिसमें कानपुर के संदिग्धों समेत कई राज्यों के युवकों की तलाश जारी है।नोएडा में हुए बवाल, आगजनी और तोड़फोड़ के पीछे साजिश की आशंका है। पुलिस के साथ एसटीएफ ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, त्रिपुरा समेत कई राज्यों के युवकों के शामिल होने का शक है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और घटना के दौरान बनाए गए वीडियो खंगाले जा रहे हैं। शहर के चार से पांच युवकों पर भी शक है। शुक्रवार को नौबस्ता और बादशाहीनाका क्षेत्र से कुछ लोगों को इसी सिलसिले में उठाया गया है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा की फैक्ट्रियों में तोड़फोड़, आगजनी, पुलिस व अन्य सरकारी वाहनों को नुकसान पहुंचाने की घटना हुई थी। पुलिस ने बवाल करने वालों को मशक्कत कर शांत कराया। जांच में बवाल के पीछे साजिश की आशंकाअलग-अलग इकाइयों में एकदम से भीड़ उग्र हुई और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस के साथ प्रतिष्ठानों पर पथराव हुआ। पुलिस और प्रशासन ने खुफिया, इंटेलीजेंस, एलआईयू आदि से जांच कराई जिनकी प्रारंभिक जांच में बवाल के पीछे साजिश की आशंका जताई गई। सूत्रों के मुताबिक कुछ प्रतिष्ठानों में फेस रिकग्नाइजेशन (चेहरे पहचानने वाले) कैमरे लगे हुए हैं।कानपुर के चार से पांच युवकों पर भी शक उनमें संदिग्धों के वीडियो मिले हैं। कुछ युवक पत्थर, तेल के गैलन, सब्बल लिए नजर आ रहे हैं। उनकी जानकारी जुटाई जा रही है। कानपुर के चार से पांच युवकों पर भी शक है। इनमें से दो वहां रहने के साथ सब्जी व फल का कारोबार करते हैं। उनके बारे में नौबस्ता और बादशाहीनाका क्षेत्र से जानकारी जुटाई गई है। कुछ लोगों को उठाया गया है। अब तक किसी जांच एजेंसी ने कोई संपर्क नहीं किया है।

एसटीएफ अपने स्तर पर जांच कर रही है। अगर जांच में कोई सहयोग मांगा जाता है तो कमिश्नरी पुलिस उनकी मदद करेगी। -संकल्प शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय व अपराध

नारी शक्ति के अपमान पर छिबरामऊ में आक्रोश, अर्चना पांडेय के नेतृत्व में राहुल-अखिलेश का पुतला फूंका

» बीपीएस न्यूज

कन्नौज । नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण बिल) को लेकर विपक्षी दलों के विरोध के खिलाफ जनपद कन्नौज के छिबरामऊ में शनिवार को जोरदार आक्रोश देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी की क्षेत्रीय विधायक अर्चना पांडेय के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने प्रदर्शन किया और तालग्राम रोड पर पुतला दहन कर विरोध जताया।भीड़ को संबोधित करते हुए विधायक अर्चना पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दशकों से लंबित महिला आरक्षण बिल को पारित कराकर महिलाओं को उनका हक दिया है, लेकिन विपक्ष की मानसिकता आज भी महिला विरोधी बनी हुई है। उन्होंने कहा, ÷सदन के भीतर विपक्ष ने जिस तरह का आचरण किया, उसने साफ कर दिया है कि वे नहीं चाहते कि देश की बेटियां नीति निर्धारण में अपनी भूमिका निभाएं। छिबरामऊ की महिलाएं इस अपमान का जवाब आने वाले चुनाव में देंगी।÷कार्यकर्ता और स्थानीय महिलाएं हाथों में तख्तियां लेकर नगर क़े तालग्राम रोड होते हुए कोल्ड स्टोरेज क़े सामने पहुंची।नारी शक्ति का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान% और %मोदी जी ने हक दिया, विपक्ष ने विरोध किया% जैसे नारों से पूरा छिबरामऊ गूंज उठा। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने विपक्ष पर विकास की राह में रोड़ा अटकाने का आरोप लगाया।सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

प्रदर्शन और पुतला दहन की सूचना पर स्थानीय पुलिस बल भी मुस्तैद रहा। विधायक के नेतृत्व में हुए इस बड़े विरोध प्रदर्शन में भाजपा के कई स्थानीय पदाधिकारी और भारी संख्या में मातृशक्ति मौजूद रही।

ट्रांसपोर्टर और स्क्रैप कारोबारी के दो गोदामों पर छापा, एल्युमिनियम और कॉपर का स्क्रैप मिला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। एसजीएसटी की टीम ने शुक्रवार को ट्रांसपोर्टर और स्क्रैप कारोबारी के दो गोदामों पर छापा मारा। दोनों गोदामों की जानकारी ट्रांसपोर्टर ने विभाग को नहीं दी थी। एक गोदाम में एल्युमिनियम और कॉपर का स्क्रैप मिला है, जिसका वजन कराया जा रहा है। दूसरे गोदाम में नमकीन और पान मसाला रैपर बड़े पैमाने पर मिले हैं। भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे दो दर्जन एसजीएसटी अधिकारियों ने दोनों जगहों को अपने कब्जे में ले लिया।देर रात तक जारी कागजातों की जांच जारी रही। शुरूआती जांच में बड़े पैमाने पर कर चोरी का खुलासा हुआ है। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित स्क्रैप कारोबारी के गोदाम और कार्यालय पर शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे एसजीएसटी टीमें पहुंचीं। टीमों ने दोनों परिसरों की घेराबंदी करते हुए कर्मचारियों की आवाजाही रोक दी। कागजी दस्तावेजों के अलावा इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को कब्जे में लेकर पड़ताल शुरू कर दी। खुफिया इनपुट के आधार पर की गई कार्रवाईबताया गया कि प्रारंभिक जांच में बड़े पैमाने पर लेनदेन में गड़बड़ी और कर चोरी के साक्ष्य मिले हैं। अधिकारियों ने कंप्यूटर डाटा, बिल-बुक, ई-वे बिल और अन्य वित्तीय अभिलेखों को कब्जे में लेकर जांच की। देर रात तक टीमों की कार्रवाई जारी रही। सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई लंबे समय से मिल रही शिकायतों और खुफिया इनपुट के आधार पर की गई। टैक्स चोरी की सटीक रकम का खुलासा किया जाएगा देर रात तक चली कार्रवाई के दौरान कई अहम दस्तावेज हाथ लगे हैं जिनसे कर चोरी का दायरा और बड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही टैक्स चोरी की सटीक रकम का खुलासा किया जाएगा।

डीसी एसआईबी संतोष कुमार सिंह, एसी संजय कुमार सिंह और सीटीओ रमेश तिवारी अन्य अफसरों के साथ देर रात तक जांच-पड़ताल करते रहे।पहले भी कार्रवाई की जद में आए हैं कारोबारीएसजीएसटी की छापेमारी में फंसे ट्रांसपोर्टर और स्क्रैप कारोबारी के खिलाफ पहले भी कार्रवाई हो चुकी हैं।

छह माह पहले डीजीजीआई ने कारोबारी के ठिकानों पर कार्रवाई की थी। बताया गया कि उस कार्रवाई में भी व्यापक स्तर पर गड़बड़ियां मिली थीं।

सूत्रों ने बताया कि मुनाफा अधिक व टैक्स कम देने का सिलसिला कई वर्षों से जारी रहने से शक हुआ।

बुलेट व भैंस के लिए विवाहिता की हत्या का आरोप, पति समेत 5 ससुरालियों पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज

» बीपीएस न्यूज

हरदोई । सांडी थाना क्षेत्र के बखरिया गांव में बृहस्पतिवार देर शाम एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे पर लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।मृतका के मायके पक्ष की शिकायत पर पति समेत पांच ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, बखरिया निवासी शैलेंद्र कुमार खेती करते हैं और उनकी शादी करीब 16 माह पहले मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के जरेरा गांव की रहने वाली 26 वर्षीय आरती के साथ हुई थी। गुरुवार देर शाम आरती का शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलने पर जब मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे तो शव जमीन पर पड़ा हुआ था, जबकि छत में लगे कुंडे से फंदे का कपड़ा लटक रहा था।मृतका के भाई ओम प्रकाश ने आरोप लगाया कि उन्हें कुंवरियापुर निवासी उनके दूसरे बहनोई नरेंद्र ने फोन पर घटना की जानकारी दी और बताया कि आरती की हत्या कर शव को फंदे पर लटका दिया गया है। परिजनों का कहना है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल और भैंस की मांग कर रहा था। मांग पूरी न होने पर आरती को प्रताड़ित किया जाता था। आरोप है कि इसी विवाद के चलते उसकी हत्या कर दी गई और मामले को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। सूचना पर यूपी 112 की टीम मौके पर पहुंची और पुलिस ने जांच शुरू की।प्रभारी निरीक्षक बसंतराम ने बताया कि मृतका के भाई की तहरीर के आधार पर पति शैलेंद्र, ससुर राम सागर, जेठ मनीराम, जेठानी सोनेश्री समेत कुल पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

वाहन की टक्कर से सगे भाइयों की मौत; गेहूं की मड़ाई कराने जा रहे थे

» बीपीएस न्यूज

हरदोई। बेनीगंज-संडीला मार्ग पर मलेहरा के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से सगे भाइयों की मौत हो गई, जो अपने साढ़ू के घर गेहूं की मड़ाई कराने जा रहे थे।हरदोई जिले में बेनीगंज-संडीला मार्ग पर बाइक सवार सगे भाइयों को शुक्रवार रात किसी वाहन ने टक्कर मार दी। एक भाई की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे को मेडिकल कॉलेज में मृत घोषित कर दिया गया। घटना का पता चलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।अतरौली थाना क्षेत्र के बहुती गांव निवासी राजू (35) खेती करते थे। उनके साढ़ू विजय कुमार का घर संडीला कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में है। विजय के खेत में गेहूं की फसल काटी गई थी। फसल की मड़ाई कराने के लिए शुक्रवार रात राजू अपने भाई लक्खा (25) के साथ बाइक से विजय के गांव जा रहा था।किसी वाहन ने बाइक में मार दी टक्कररात लगभग 10 बजे संडीला-बेनीगंज मार्ग पर मलेहरा के पास किसी वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से राजू और लक्खा सड़क पर गिर गए। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोथावां ले जाया गया।

14 साल की किशोरी को सरेराह उठाया, दो दरिंदों ने की अस्मत तार-तार, एक आरोपी गिरफ्तार

हमीरपुर। मौदहा कोतवाली क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोरी के अपहरण के बाद दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पिता की सूचना पर पुलिस ने गांव के ही दो युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। मौदहा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी दोपहर के समय अपने घर से खेत की ओर जा रही थी। रास्ते में घात लगाए बैठे गांव के ही दो युवकों, जगदीश और सुनील ने उसे रोक लिया। आरोप है कि दोनों युवकों ने किशोरी को डरा-धमकाकर और बहला-फुसलाकर उसका अपहरण कर लिया और उसे एक सुनसान स्थान पर ले गए।परिजनों का कहना है कि उन्होंने किशोरी की काफी तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। काफी खोजबीन के बाद जब कोई सुराग नहीं मिला, तो शुक्रवार को पीड़ित पिता ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को आपबीती सुनाई। पिता ने आरोप लगाया कि जगदीश और सुनील ने उसकी बेटी के साथ अपहरण कर सामूहिक रूप से दुष्कर्म किया है।पुलिस की त्वरित कार्रवाई, आरोपी हिरासत में मामले की गंभीरता को देखते हुए मौदहा पुलिस तत्काल हरकत में आई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सबसे पहले किशोरी को सकुशल बरामद किया। इसके बाद पीड़ित पिता की तहरीर पर नामजद आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा पुलिस ने छापेमारी के दौरान एक आरोपी को दबोच लिया, जिससे गुप्त स्थान पर पूछताछ की जा रही है। वहीं, दूसरा आरोपी सुनील फिलहाल पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (छ्ह) मौदहा, राजकुमार पांडेय ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मामला दर्ज कर लिया गया था। पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट आने का इंतजार है।इलाके में दहशत, सुरक्षा के कड़े इंतजामइस घटना के बाद से गांव में लोगों के बीच गहरा रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। तनाव को देखते हुए गांव में एहतियातन पुलिस बल की गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को आश्वासन दिया है।

कि फरार आरोपी को जल्द ही सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

लव जिहाद के खिलाफ सड़कों पर उतरीं महिलाएं, दुर्गा बन- काली बन का गूंजा नारा, डीएम को सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । लव जिहाद के खिलाफ महिलाओं ने विशाल रैली निकालकर दुर्गा-काली बनने का नारा दिया और कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।देशभर में लव जिहाद के बढ़ते मामलों को लेकर कानपुर की सड़कों पर भारी जनाक्रोश देखने को मिला।

शनिवार को राम गोपाल चौराहे से शुरू हुई जन जागरूकता यात्रा में महिलाओं और स्थानीय लोगों ने हजारों की संख्या में हिस्सा लिया। हाथों में बैनर-पोस्टर थामे प्रदर्शनकारियों ने साफ संदेश दिया कि अब बेटियों की सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।तू दुर्गा बन, तू काली बन...के नारों से गूंजा शहरविरोध प्रदर्शन के दौरान सबसे ज्यादा ध्यान उस नारे ने खींचा, जो अब सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। महिलाओं ने बुलंद आवाज में नारा लगाया ÷तू दुर्गा बन, तू काली बन, कभी न बुर्के वाली बन। जन जागरूकता यात्रा राम गोपाल चौराहे से शुरू होकर शहर के विभिन्न हिस्सों से गुजरी।कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर सौंपा ज्ञापनप्रदर्शनकारियों के हाथों में मौजूद

पोस्टरों पर लव जिहाद के खिलाफ कड़े कानून बनाने और बेटियों को सतर्क रहने की अपील की गई थी। प्रदर्शनकारी पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे, जहां जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। लव जिहाद के मामलों की त्वरित जांच और दोषियों को फांसी जैसी सख्त सजा देने की मांग उठाई गई।

सपा सांसद के घर की नेमप्लेट पर जूता-चप्पल की बारिश, BJP महिला कार्यकर्ताओं का जोरदार प्रदर्शन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाजपा महिला कार्यकर्ताओं ने सपा सांसद नरेश उत्तम पटेल के घर के बाहर प्रदर्शन किया और उनकी नेमप्लेट पर जूते-चप्पल बरसाकर विरोध दर्ज कराया।संसद में महिला आरक्षण अधिनियम बिल गिरने की आंच अब सड़कों तक पहुंच गई है। शनिवार को कानपुर के दामोदर नगर में भारी बवाल देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी के सांसद नरेश उत्तम पटेल के आवास का घेराव किया।आक्रोशित महिलाओं ने सांसद के दरवाजे पर लगी नेमप्लेट पर जूते-चप्पल बरसाकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। भाजपा महिला मोर्चा का आरोप है कि समाजवादी पार्टी और उनके सांसदों ने संसद में महिला आरक्षण बिल के खिलाफ वोटिंग कर अपनी महिला विरोधी मानसिकता का परिचय दिया है।नेमप्लेट पर जूतें- चप्पलें मारीं प्रदर्शनकारी महिलाएं नारेबाजी करते हुए सांसद के घर के मुख्य द्वार तक जा पहुंचीं। वहां उन्होंने सांसद की नेमप्लेट को निशाना बनाया और उस पर चप्पलें मारीं। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि जो पार्टियां इस बिल का विरोध कर रही हैं, वे महिलाओं को उनके हक से वंचित रखना चाहती हैं।कही ये बात अनिता गुप्ता सदस्य, महिला आयोग ने कहा कि सपा ने हमेशा महिलाओं के अधिकारों को कुचला है। आरक्षण बिल का विरोध करना यह दर्शाता है कि उन्हें नारी शक्ति की प्रगति से डर लगता है। वहीं, अनीता त्रिपाठी जिलाध्यक्ष, भाजपा महिला मोर्चा बोलीं कि नरेश उत्तम और उनकी पार्टी ने संसद में जो किया, उसका जवाब आज कानपुर की सड़कों पर दिया गया है।साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

महिला आरक्षण पर तमिलनाडु में बोले प्रधानमंत्री

दुख-दर्द अपनों के बीच बांटना चाहता हूं

बीपीएस न्यूज

कोयंबटूर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज तमिलनाडु के कोयंबटूर में चुनावी रैली को संबोधित करने पहुंचे। उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे पर कहा, वे अपना दुख-दर्द अपनों के बीच बांटना चाहते हैं। पीएम मोदी ने संसद में विरोध करने वाली कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथों लिया। बकौल पीएम मोदी महिला आरक्षण को लेकर उनकी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। तमिलनाडु का चुनावी पारा चढ़ने लगा है। प्रचार के अंतिम हफ्ते में सभी दल पूरी ताकत झोंक रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज कोयंबटूर में भाजपा-एनडीए की एक जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। पीएम मोदी ने महिला आरक्षण मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि वे अपना दुख-दर्द अपनों के बीच बांटना चाहते हैं। पीएम मोदी ने संसद में संविधान संशोधन का विरोध करने वाली कांग्रेस पार्टी समेत अन्य विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि अगर ये बिल पारित हो जाता तो तमिलनाडु की बहुत सारी महिलाएं विधायक और सांसद बन पाती। लेकिन डीएमके ऐसा नहीं होने देना चाहती।

डीएमके को तमिलनाडु की जनता जवाब देगी

संसद में काले कपड़े पहनकर विरोध करने वाली सत्ताधारी पार्टी डीएमके को अंजाम भुगतने की चेतावनी देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राज्य की जनता द्रमुक को सबक सिखाएगी। उन्होंने रैली में मौजूद जनता से कहा कि जब डीएमके नेता आपसे वोट मांगने आएं तो उनसे सवाल करें कि महिलाओं को लाभ दिलाने के मकसद से लाए गए इस संविधान संशोधन विधेयक का विरोध क्यों किया गया? पीएम मोदी ने कहा कि डीएमके के कृत्य अब बहुत अच्छे से एक्सपोज हो चुके हैं। जनता डीएमके के काले कारनामे अच्छे से जान चुकी है। झूठ फैलाने से डीएमके के काले कारनामे छिपने वाले नहीं हैं।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में बड़े सियासी बदलाव का संकेत मिलने की बात भी कही। उन्होंने कहा, नई शुरुआत के इस दौर में तमिलनाडु की राजनीति में नया अध्याय लिखा जा रहा है। तमिलनाडु की जनता एक स्पष्ट संदेश दे रही है। एनडीए अंदर, डीएमके बाहर।

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों में तमिलनाडु में दो चीजें रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ी हैं, एक सत्ताधारी परिवार की संपत्ति और दूसरा राज्य पर कर्ज का बोझ। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके लिन के परिवार के भीतर बेटे और दामाद के बीच लूट की प्रतिस्पर्धा होने का दावा करते हुए कहा कि राज्य का पैसा जनहित के बजाय एक परिवार की तिजोरी में जा रहा है, जिससे तमिलनाडु के प्रत्येक नागरिक पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं तमिलनाडु को भारत के विकास के एक अहम इंजन के तौर पर देखता हूं। पिछले 11 वर्षों में, केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को 14 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा दिए हैं। यह पैसा टैक्स में हिस्सेदारी, हाईवे, एयरपोर्ट, रेलवे और जन-कल्याणकारी योजनाओं के रूप में मिला है। यह उस रकम से कहीं ज़्यादा है जो तमिलनाडु को तब मिली थी, जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी।

मोदी पर राहुल गांधी का सीधा वार ट्रंप के हाथों देश की सुरक्षा बेच दी

बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 'नियंत्रित' किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि अन्नाद्रमुक सत्ता में आए, ताकि वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को नियंत्रित कर सकें। गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने ''हमारी ऊर्जा सुरक्षा को दांव पर लगा दिया और हमारे डेटा को दूसरों के हवाले कर दिया, साथ ही हमारे किसानों और छोटे और मध्यम उद्योगों को बेच दिया।''उन्होंने परिसीमन विधेयक पर कहा, ''कल (संसद में) आपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर आत्मविश्वास की पूरी कमी देखी।'' राहुल गांधी ने यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''वह (प्रधानमंत्री) विपक्ष का सामना भी नहीं कर सके। वह अलग बैठे थे। इसका कारण यह है कि वह अमेरिका द्वारा नियंत्रित हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने हमारे देश को बेच दिया।'' उन्होंने कहा, ''आज अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को कूदने को कहें, तो मोदी कूद जाते हैं। अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को लेटने को कहें, तो मोदी लेट जाते हैं। क्यों? क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप का मोदी पर पूरी तरह नियंत्रण है। वे उन्हें कैसे नियंत्रित करते हैं? वह एप्स्टीन फाइलों के जरिए नियंत्रित करते हैं।

वह उन्हें नियंत्रित करते हैं, क्योंकि उन्हें मोदी की वित्तीय व्यवस्था का पता है और वह अदाणी के साथ मोदी के संबंधों को समझते हैं।'' राहुल गांधी ने कहा, '' जिस तरह ट्रंप, मोदी को नियंत्रित कर रहे हैं, वह भी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को उसी तरह नियंत्रित करना चाहते हैं।''

उन्होंने कहा, ''इसीलिए वह (मोदी) तमिलनाडु में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक)को सत्ता में लाना चाहते हैं।

संसद में विधेयक पर भाजपा की हार मोदी सरकार के पतन की शुरुआत :ममता

बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने दावा किया है कि डिलिमिटेशन (परिसीमन) विधेयक को लेकर संसद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के पतन की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के राज्यों के साथ राजनीतिक लाभ के लिए लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण की साजिश कर रही थी, जिसे विपक्ष ने मिलकर विफल कर दिया।

हावड़ा जिले के पांचला क्षेत्र में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव होने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस के सांसद संसद पहुंचे और विधेयक का विरोध करते हुए मतदान किया।

उन्होंने कहा कि विपक्षी एकजुटता में उनकी पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण विधेयक के नाम पर केंद्र सरकार वास्तव में डिलिमिटेशन का एजेंडा आगे बढ़ाना चाहती थी।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर लगभग 850 करना चाहती थी, ताकि राजनीतिक समीकरण अपने पक्ष में बदले जा सकें।उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के बावजूद उनसे 20 सांसद भेजने को कहा गया था,

लेकिन उन्होंने 21 सांसद दिल्ली भेजे।

उन्होंने कहा कि यह भाजपा को हराने की रणनीति का हिस्सा था और विपक्ष ने संसद में भाजपा को पराजित किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद में मिली हार के बाद अब भाजपा को जमीन पर भी पराजय का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि बंगाल हमेशा देश को रास्ता दिखाता है और इस बार भी बंगाल से भाजपा को सत्ता से हटाने की लड़ाई शुरू होगी।ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं के अधिकारों और आरक्षण के पक्ष में है, लेकिन देश को बांटने वाली किसी भी नीति का समर्थन नहीं करेगी। उन्होंने भाजपा पर भ्रामक प्रचार और झूठ फैलाने का आरोप भी लगाया।उन्होंने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से आह्वान किया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की जीत सुनिश्चित कर भाजपा को कड़ा संदेश दिया जाए।

राहुल गांधी के खिलाफ नहीं दर्ज होगी एफआईआर, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लगाई रोक

बीपीएस न्यूज

प्रयागराज। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ फिलहाल एफआईआर दर्ज नहीं होगी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले पर रोक लगा दी है।कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ फिलहाल एफआईआर दर्ज नहीं होगी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले पर रोक लगा दी है। दोहरी नागरिकता के मामले में हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। शनिवार को अपने ही आदेश पर रोक लगाते हुए सुनवाई के लिए अगली तिथि 20 अप्रैल निर्धारित कर दी है। रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एक याचिका दायर की गई थी। जिसमें कथित तौर पर भारतीय नागरिक होते हुए ब्रिटेन की नागरिकता लेने का आरोप लगाया गया था। यह याचिका कर्नाटक के रहने वाले विग्नेश शिशिर ने दायर की थी।

विग्नेश शिशिर ने 26 जुलाई 2025 को रायबरेली के एसपी को पत्र लिखकर एफआईआर दर्ज करने की गुहार लगाई थी। आरोप है कि सबूत देने के बावजूद एसपी ने एफआईआर दर्ज करने से इन्कार कर दिया। इसके खिलाफ विग्नेश ने एमपीएमएलए कोर्ट रायबरेली में याचिका दायर की थी। 28 जनवरी को एमपीएमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी थी। इसके खिलाफ विग्नेश ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कई तारीख के बाद 17 अप्रैल को कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करके जांच का आदेश दिया था, लेकिन 18 अप्रैल को अपने फैसले को ही वापस ले लिया है।

दिल्ली में गिरफ्तार आतंकियों के मंसूबे: राम मंदिर और संसद थे निशाना, हो चुकी थी रेकी, टॉय कार से करते धमाका

बीपीएस न्यूज

नोएडा ।आरोपियों में से एक दिसंबर 2025 में दिल्ली आया था और उसने लाल किला और इंडिया गेट समेत खास जगहों की रेकी की थी। जांचकर्ताओं ने कहा कि इस मॉड्यूल ने अयोध्या में राम मंदिर, संसद भवन और कुछ सैन्य प्रतिष्ठानों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर संभावित हमलों पर भी चर्चा की थी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से जिन चार 'कट्टरपंथी' युवकों को गिरफ्तार किया है वह आतंकी गतिविधियों की साजिश रच रहे थे। कुछ संवेदनशील जगहों को निशाना बनाने के लिए उनकी रेकी की थी और 'एन्क्रिप्टेड' ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अन्य लोगों को भर्ती करने की कोशिश कर रहे थे।

स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान एक 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) और उससे जुड़ा सामान जब्त किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि दो आरोपी भीड़भाड़ वाली जगहों को निशाना बनाने के लिए आईईडी युक्त रिमोट संचालित टॉय कार को तैयार कर रहे थे।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये कथित तौर पर काले झंडे लेकर चलने वाले खुरासान के लश्कर की अवधारणा से भी प्रेरित थे, जिसका इस्तेमाल उन्होंने दूसरों को कट्टरपंथी बनाने के अपने दुष्प्रचार के हिस्से के तौर पर किया।उन्होंने कहा कि आरोपी बंद और 'एन्क्रिप्टेड' सोशल मीडिया समूहों पर सक्रिय थे, जहां जिहाद, कट्टरपंथी सोच और हथियारों से जुड़ी सामग्री साझा की जाती थी। इन मंचों का इस्तेमाल कथित तौर पर नए सदस्यों की पहचान करने और भर्ती करने के लिए किया जाता था।

लाल किला और इंडिया गेट का की कर चुके थे रेकी

आरोपियों में से एक दिसंबर 2025 में दिल्ली आया था और उसने लाल किला और इंडिया गेट समेत खास जगहों की रेकी की थी। जांचकर्ताओं ने कहा कि इस मॉड्यूल ने अयोध्या में राम मंदिर, संसद भवन और कुछ सैन्य प्रतिष्ठानों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर संभावित हमलों पर भी चर्चा की थी। चारों आरोपी मोसैब अहमद, मोहम्मद हम्माद, मोहम्मद सोहेल और शेख इमरान निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से हैं।

साउथ अफ्रीका से लौटा संदिग्ध आतंकी, दिल्ली एयरपोर्ट से पुलिस ने दबोचा

लखनऊ। संदिग्ध आतंकी के साउथ अफ्रीका से लौटते ही पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। एटीएस ने जांच में आतंकियों के मॉड्यूल का खुलासा किया था।दिल्ली एयरपोर्ट पर शनिवार को साउथ अफ्रीका से लौटते ही संदिग्ध आतंकी मैजुअल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी था। मॉड्यूल से जुड़े दो संदिग्ध आतंकी अभी भी विदेश में हैं। वह दोनों सऊदी अरब में हैं। उनकी भी गिरफ्तारी के लिए प्रक्रिया जारी है।एटीएस ने दो अप्रैल को राजधानी लखनऊ से संदिग्ध आतंकियों के मॉड्यूल का खुलासा किया था। मेरठ निवासी साकिब, अरबाब और गौतमबुद्धनगर के लोकेश व विकास को गिरफ्तार किया था।

अधिवेशन में आपस में भिड़े अधिवक्ता, ईंट-पत्थर चलने से गाड़ियों के शीशे टूटे

लखनऊ। लखनऊ में अधिवेशन के दौरान अधिवक्ता आपस में भिड़ गए। इस दौरान ईंट-पत्थर चलने से कई गाड़ियों के शीशे टूट गए। गाड़ी से रुपये चोरी होने की बात सामने आई। दो लोगों पर शांतिभंग की कार्रवाई की गई है। राजधानी लखनऊ में कौंसिल बार चुनाव को लेकर शुक्रवार रात कृष्णा नगर स्थित एक निजी लॉन में हुए अधिवक्ता अधिवेशन के दौरान वकीलों में आपस में कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर ईंट-पत्थर चलने लगे। पुलिस ने एक पक्ष की शिकायत पर चोरी और तोड़फोड़ की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर दो अधिवक्ताओं को कस्टडी में लेकर उन पर शांतिभंग की कार्रवाई की।कृष्णा नगर इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि अधिवक्ता जीतू यादव लखनऊ बार काउंसिल के चुनाव में महामंत्री पद के प्रत्याशी हैं। उनकी ओर से कानपुर रोड स्थित अवस्थी लॉन कृष्णा नगर में अपने समर्थन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

स्टेट ऑफ होर्मज में गोलियों की गूंज! जहाजों पर फायरिंग, भारतीय सुपरटैंकर भी शामिल

बीपीएस न्यूज

तेहरान। स्टेट ऑफ होर्मज में ईरान की तरफ से एक टैंकर पर गोलीबारी कर दी गई। ईरान की इस हरकत के चलते इस पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर आ गया। वहीं दो भारतीय जहाजों को भी बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा। इनमें से एक भारतीय झंडे वाला बड़ा टैंकर है जिसमें 20 लाख बैरल इराकी तेल भरा हुआ था। दरअसल ट्रंप की नाकेबंदी वाली धमकी के तुरंत बाद आज ईरान ने फिर से ऐलान किया कि वह हरमूस पर सख्त पाबंदियां लगा रहा है। आपको बता दें कल ऐसा ईरान की ओर से ऐलान किया गया था कि हुरमुस पूरी तरह से खोल दिया गया है। लेकिन आज ईरान ने कहा कि अमेरिका ने उनके बंदरगाहों और जहाजों पर नाकेबंदी कर रखी है। इसलिए यह कदम उठाया जा रहा है और होरमुस पर फिर से पाबंदी लगाई जा रही है और इसके कुछ ही देर बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड की दो गन बोट यानी हथियार बंद छोटी नावें एक टैंकर के पास आई और उन पर गोलियां चला दी। सरकार की तरफ से कहा गया है कि डायरेक्टर जनरल ऑफ शिपिंग पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जहाज के कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही बाकी भारतीय झंडे वाले जहाजों की सुरक्षा पर भी खास ध्यान दिया जा रहा है। इस घटना के बाद ईरानी राजदूत को भारत ने तलब किया है।

वहीं ब्रिटेन की मिलिट्री के यूके एमटीओ यानी यूके मेरिटाइन ट्रेड ऑपरेशन सेंटर ने बताया कि जिस टैंकर पर गोलियां चलाई गई वह और उसका क्रू यानी जहाज का स्टाफ फिलहाल सुरक्षित है। हालांकि उन्होंने उस जहाज का नाम या वो कहां जा रहा था यह नहीं बताया। वहीं टैंकर ट्रैकर्स नाम की एक वेबसाइट जो समुद्र में जहाजों की लोकेशन ट्रैक करती है। उसने बताया कि दो भारतीय जहाज हुरमुस की खाड़ी से गुजरने की कोशिश कर रहे हैं ।

सिलिंडर के लिए बवाल: सगी बहनों को गैस एजेंसी कर्मचारियों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, भाई से भी मारपीट

बीपीएस न्यूज

आगरा। आगरा में एलपीजी सिलिंडर के लिए गैस एजेंसी पर बवाल हो गया। सिलिंडर के लिए पहुंची दो बहनों से गैस एजेंसी के हॉकरों ने मारपीट कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के नुनिहाई स्थित सरला गैस एजेंसी पर गैस सिलिंडर लेने पहुंचीं दो सगी बहनों के साथ एजेंसी मैनेजर के इशारे पर हॉकरों ने दौड़ा-दौड़ाकर मारपीट की। उन्हें जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा गया। बहनें चीखती रहीं। सूचना पर पहुंचे भाई की भी पिटाई कर दी गई। वीडियो बनाने पर मोबाइल भी तोड़ दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

गुलाब नगर, नारायच निवासी शेर सिंह की पत्नी सुनीता गैस सिलिंडर लेने एजेंसी पर गईं थीं। सुनीता का आरोप है कि वह पहले कमला नगर में रहती थीं और एक साल पहले ही गुलाब नगर में शिफ्ट हुई हैं। उन्होंने 18 मार्च को गैस सिलिंडर की बुकिंग कराई थी, जिसका मैसेज एक अप्रैल को मोबाइल पर प्राप्त हुआ था। जब उन्होंने हॉकर से संपर्क किया तो उसने एजेंसी से सिलिंडर लेने को कहा, जबकि एजेंसी कर्मचारियों का कहना था कि सिलिंडर हॉकर को दे दिया गया है। इस तरह उन्हें लगातार गुमराह किया जाता रहा और वह चक्कर काटती रहीं।

हमने सरकार की साजिश को नाकाम किया, लोकतंत्र की जीत हुई, प्रियंका गांधी का केंद्र पर हमला

कल लोकतंत्र की एक बड़ी जीत हुई- प्रियंका गांधी

बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल के संसद में गिरने का बाद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि हमने लोकतंत्र की रक्षा की है। हमने परिसीमन को लेकर मोदी सरकार की साजिश को नाकाम कर दिया है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने महिला आरक्षण कानून पर तीन साल तक कुछ नहीं किया और अभी दो दिन पहले ही एक नोटिफिकेशन जारी किया है, इसलिए उसे लागू करना चाहिए। हम पूरी मजबूती से महिला आरक्षण के समर्थन में खड़े हैं। पूरा विपक्ष एकमत है कि पहले वाला महिला आरक्षण बिल लागू होना चाहिए।उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जिस तरह से इसे पेश किया और लोकतंत्र के खिलाफ जैसी साजिश रची, हम उसका कभी भी समर्थन नहीं कर सकते।

प्रियंका गांधी ने कहा कि कल लोकतंत्र की एक बड़ी जीत हुई है। मोदी सरकार ने लोकतंत्र को कमजोर करने और संघीय ढांचे को बदलने की साजिश की थी, जिसे हमने हरा दिया। ये संविधान की जीत है, देश की जीत है, विपक्ष की एकता की जीत है, जो सत्ता पक्ष के नेताओं के चेहरे पर साफ दिख रही थी।कांग्रेस महासचिव ने कहा कि कल गृह मंत्री और प्रधानमंत्री ने अपने-अपने भाषणों में कहा था कि अगर विपक्ष इस मुद्दे पर सहमत नहीं होगा तो न कभी चुनाव जीत पाएगा, न ही सत्ता में आ पाएगा। इन बातों से ही साफ हो गया कि सरकार की मंशा क्या थी। मेरा मानना है कि सरकार द्वारा जो साजिश रची गई, उसका उद्देश्य सत्ता हासिल करना है। इसके लिए सरकार ने महिलाओं का इस्तेमाल किया।

उन्होंने कहा, सरकार चाहती थी कि महिला आरक्षण के नाम पर विपक्ष यह बिल पारित करवा दे, ताकि उन्हें मनमाने तरीके से परिसीमन की आजादी मिल जाए। जिससे मोदी सरकार को जातिगत जनगणना का सहारा न लेना पड़े।प्रियंका ने कहा कि मोदी सरकार का मानना था कि अगर बिल पारित होगा तो उनकी जीत होगी और बिल पारित नहीं हुआ तो विपक्ष को महिला विरोधी बता देंगे। बीजेपी ऐसा कर खुद को महिलाओं का मसीहा साबित करना चाहती थी।

सरकार हो गयी बहुमत जुटाने में फेल, महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन बिल लोकसभा में गिरा

शुक्रवार को लोकसभा ने उस विधेयक को खारिज कर दिया, जिसमें महिलाओं के लिए आरक्षण को तेजी से लागू करने और नई जनगणना कराए बिना परिसीमन करने का प्रावधान था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि संविधान (131वां संशोधन) संशोधन विधेयक सदन में मतदान के दौरान 2/3 बहुमत प्राप्त न कर पाने के कारण पारित नहीं हो सका। मतदान के विभाजन में, 298 सदस्यों ने विधेयकों का समर्थन किया, जबकि 230 ने उनके खिलाफ मतदान किया। कुल वोटों की संख्या 528 थी।

लोकसभा में किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। सरकार ने इस विधेयक के साथ 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' को भी सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए रखा था, लेकिन उन्हें भी आगे नहीं बढ़ाया जा सका। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं होने के बाद अब इससे संबंधित दोनों विधेयकों 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' को आगे नहीं बढ़ा सकते।गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनके ''रास्ते का रोड़ा'' कौन है और उन्हें महिलाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि जो लोग परिसीमन का विरोध कर रहे हैं, वे कहीं न कहीं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) के लिए आरक्षित सीटों में बढ़ोतरी का विरोध कर रहे हैं। गृह मंत्री ने अलग-अलग सीटों के बीच जनसंख्या के असंतुलन का हवाला देते हुए कहा कि यह परिसीमन से ही ठीक हो सकता है और विपक्ष को इसमें सहयोग करना चाहिए।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन से संबंधित विधेयक का महिला आरक्षण से कोई संबंध नहीं है, बल्कि भारत के चुनावी मानचित्र को बदलने का प्रयास है जो एक ''शर्मनाक कृत्य'' है। उन्होंने लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पर चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि सरकार द्वारा जाति जनगणना को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा, ''पूरा विपक्ष मिलकर सरकार के इस प्रयास को विफल करने जा रहा है।'' उनका कहना था, ''कुछ सच्चाई यह सदन में बताने की जरूरत है। यह महिला आरक्षण विधेयक नहीं है, इसका महिलाओं के सशक्तीकरण से कुछ लेनादेना नहीं है। 2023 में जो पारित हुआ था वो महिला आरक्षण विधेयक था।''लोकसभा में शुक्रवार को उस समय हल्के-फुल्के क्षण देखने को मिले ।

मच्छरों ने काट काट कर किया परेशान

कॉइल, स्प्रे की जगह अपनाएं ये घरेलू और आसान उपाय

गर्मियां आते ही घर में मच्छरों का आतंक शुरू हो जाता है। अगर हल्का सा भी आसमान से पानी बरस जाए तो तुरंत मच्छर बढ़ जाते हैं। मच्छरों से डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियां फैलने का खतरा भी बना रहता है। ऊपर से अगर ये काट लें, तो खुजा-खुजाकर पूरी स्किन लाल हो जाती है।

घर में मच्छरों के होने से कई तरह की दिक्कतें बढ़ जाती हैं। न रात को अच्छे से नींद आ पाती है और न ही दिन में ये चैन से रहने देते हैं। कूलर, गमलों, नालियों और खाली बर्तनों में जमे पुराने पानी में ही मच्छर ज्यादा पनपते हैं। ऐसे में अगर आप भी घर में मच्छरों के आतंक से परेशान हो चुके हैं और जल्द इनसे छुटकारा पाना चाहते हैं तो आज हम आपको एक ऐसा घरेलू तरीका बताएंगे जो काफी आसान, सस्ता और असरदार है।

» मच्छर भगाने का असरदार घरेलू उपाय

आमतौर पर घर में मच्छरों को भगाने के लिए कॉइल या हिट जैसे स्प्रे का इस्तेमाल होता है। ये काफी हद तक मदद तो करते हैं लेकिन मच्छर कैसे ना कैसे करके वापस आपको तंग करने के लिए आ ही जाते हैं। ऐसे में हम आपको जो घरेलू तरीका बताने वाले हैं, एक बार उसे ट्राय करके देखिए।

» केवल 3 चीजों से भगाएं मच्छर

इसके लिए आपको चाहिए होंगी केवल तीन चीजें, जो हैं कपूर, सरसों का तेल और तेजपत्ता। सबसे पहले कपूर की 3-4 गोलियां लेकर उन्हें अच्छे से पीस लें। उसमें एक-डेढ़ चम्मच सरसों का तेल मिलाएं, फिर उसमें 3-4 तेजपत्ता डालकर माचिस से जला लें। अब इस मिश्रण को अच्छे से जला लें और फिर आग बुझाकर इसका धुआं लेकर चारों ओर घर में अच्छे से फैला दें। आप देखेंगे कि इसकी गंध से मच्छर तुरंग भागने लगेंगे। ये आप हर शाम घर में कर सकते हैं। ये सबसे पुराना, टिकाऊ, सस्ता और असरदार उपाय है जिससे मच्छर 10-15 मिनट में ही भाग जाते हैं। जब आप घर में धुआं कर रहे हैं तो सारी खिड़कियों को खोल दें ताकि मच्छर घर से बाहर चले जाएं।

पेट बन गया है गैस का 'गुब्बारा'? मैजिक ड्रिंक देगा सिर्फ 2 मिनट में आराम

बिजी लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण कई बार हम सभी पेट संबंधित परेशनियों से गुजरना पड़ता है। एसिडिटी, ब्लोटिंग, गैस इन सभी समस्याओं से हम सभी कभी न कभी जरुरत महसूस करते हैं। खाना खाने के बाद अचानक से पेट टाइट हो जाना, डकार न आना या असहज महसूस होना ये सभी डाइजेशन की गड़बड़ी का संकेत होता है। इन परेशनियों के चक्कर में कई लोग तो दवाओं का सेवन करने लग जाते हैं, हर बार दवा लेना भी ठीक नहीं होता है। अब आपकी किचन में ही इसका असान और असरदार इलाज छिपा हुआ है।

गुनगुने पानी के साथ नींबू का रस लेने से ब्लोटिंग की समस्या कम होती है। यह डाइजेस्टिव जूस को बढ़ाता, इसके साथ ही फैट के डाइजेशन को आसान बनाता है और शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

गर्म पानी पीने से ब्लोटिंग के लिए आसान और नेचुरल उपाय है। यह डाइजेशन को बेहतर करता है। यह आंतों की मसल्स को रिलैक्स करता है और गुब्बारे की तरह फूली गैस को बाहर निकालता है।

आयुर्वेद में हींग को गैस, अपच और ब्लोटिंग के लिए पारंपरिक उपाय है क्योंकि यह पेट में अग्नि को बढ़ाती है। यह एकदम कर्मिनेटिव की तरह काम करता है, डाइजेशन एंजाइम्स को एक्टिव करता है और पेट

में फंसी गैस से राहत दिलाता है।

काली मिर्च डाइजेशन को बेहतर बनाती है और ब्लोटिंग को कम करती है। इसमें मौजूद पिपेरिन डाइजेशन एंजाइम्स को बढ़ाता है, प्रोटीन को तोड़ता है और गैस कम करता है।

इसके साथ ही यह हल्के मूत्रवर्धक की तरह काम करके शरीर में पानी की अतिरिक्त मात्रा को भी कम करता है। इसका अधिक मात्रा में सेवन करने से आपको पेट में जलन हो सकती है।

इतिहास, लोकविश्वास और आध्यात्मिक संस्कृति का महाकुंभ

चितिरई उत्सव, जो मदुरै के मीनाक्षी अम्मन मंदिर में मनाया जाता है, दक्षिण भारत की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह उत्सव केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि इतिहास, लोकविश्वास, सामाजिक समन्वय और आध्यात्मिकता का अद्भुत मिलाजुला होता है। लाखों श्रद्धालु इस महापर्व में भाग लेकर भारतीय संस्कृति के जीवंत रूप का अनुभव करते हैं।

दक्षिण भारत की सांस्कृतिक आत्मा को यदि किसी एक उत्सव में सघन रूप में देखा जा सकता है, तो वह मीनाक्षी अम्मन मंदिर का चितिरई उत्सव है। यह केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि इतिहास, लोकविश्वास, सामाजिक समन्वय और आध्यात्मिक संस्कृति का महाकुंभ होता है। मदुरै में विशेष रूप से मनाया जाने वाला यह उत्सव हर साल लाखों लोगों को आकर्षित करता है और इस दौरान शहर उसी तरह जीवंत रंगमंच में बदल जाता है, जैसे उत्तर भारत में कुंभ के समय प्रयागराज और हरिद्वार लोक-उत्सव के रंगमंच में बदल जाते हैं। चितिरई उत्सव में देवता भी मनुष्यों के बीच न सिर्फ उतरकर उल्लास में हिस्सा लेते हैं, बल्कि मनुष्यता के रंग में रंग जाते हैं। किसी संस्कृति का यही सबसे प्रबलतम पक्ष होता है, जिसके रंग में रंगने की कामना देवता भी करते हैं।

इस साल चितिरई उत्सव अप्रैल और मई महीने में मनाया जाएगा। इसकी शुरुआत 18 अप्रैल से होगी और समापन 2 मई को होगा। स्थानीय पंचांग के मुताबिक, हो सकता है एकाध दिन का हेरफेर हो, लेकिन समग्रता में यह उत्सव इसी दौरान अपनी छटा बिखेरेगा। चितिरई उत्सव क्यों मनाया जाता है, इसके पीछे दो प्रमुख कथाएं हैं। पहली कथा के मुताबिक, इस दिन देवी मीनाक्षी यानी पार्वती, जो मदुरै की राजकुमारी थीं, भगवान शिव सुंदरेश्वर से उनका दिव्य विवाह सम्पन्न होता है। यह विवाह केवल देवताओं का नहीं, बल्कि शक्ति और शिव यानी प्रकृति और चेतना का मिलन भी है। एक दूसरी कहानी इसे भगवान विष्णु के साथ जोड़ती है, जिन्हें यहां अलगर कहा जाता है। माना जाता है कि मीनाक्षी के भाई के रूप में अलगर विवाह में शामिल होने आते हैं, लेकिन देर से पहुंचते हैं, जिस कारण वैगई नदी के किनारे ही रुक जाते हैं। यह प्रसंग इस बात का प्रतीक है कि जीवन में समय, संबंध

और भावनाओं का संतुलन कितना महत्वपूर्ण है।चितिरई उत्सव की आत्मा है इसका ध्वजारोहण, जिसे यहां 'कोडी एट्रम' कहा जाता है। चितिरई उत्सव की शुरुआत मीनाक्षी मंदिर में ध्वजा फहराने यानी ध्वजारोहण से होती है। ध्वजारोहण इस बात का संकेत होता है कि अब मदुरै में देवी का राज स्थापित हो चुका है और पूरा शहर एक पवित्र अनुष्ठान में प्रवेश कर चुका है। उत्सव का दूसरा प्रमुख हिस्सा मीनाक्षी तिरुकल्याणम? यानी दिव्य विवाह होता है। उत्सव के इस दूसरे महत्वपूर्ण हिस्से में वह भावनात्मक क्षण आता है, जब मंदिर परिसर में देवी मीनाक्षी और भगवान सुंदरेश्वर विवाह बंधन में पूरे वैदिक विधि-विधान के साथ बंधते हैं। हजारों लोगों के समक्ष यह विवाह सम्पन्न होता है, और श्रद्धालु इसे साक्षी बनते हैं। इस विवाह समारोह को देखते हुए श्रद्धालु कल्पना करते हैं कि जैसे वे अपनी बेटी का सचमुच में विवाह देख रहे हों। इससे पता चलता है कि भारतीय संस्कृति में देवी भी कोई दूर की नहीं, बल्कि अपने घर की ही होती है। विवाह सम्पन्न होने के बाद उत्सव का तीसरा हिस्सा रथ यात्रा या थेरु उत्सव शुरू होता है। विशाल सजे हुए रथों में देवी-देवताओं की मूर्तियां पूरे शहर में भ्रमण करती हैं। सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब, जयकारे, संगीत–ये सब मिलकर मदुरै को एक जीवंत आध्यात्मिक नगर बना देते हैं। इस उत्सव का आखिरी और संवेदनशील हिस्सा अलगर का वैगई नदी में उतरना है। यह चितिरई उत्सव की सबसे अनोखी झलक है, जब भगवान विष्णु यानी अलगर वैगई नदी में उतरते हैं।

लाखों लोग इस दृश्य को देखने के लिए देश-विदेश से आते हैं। वास्तव में ये क्षण मनुष्य के अधूरेपन, अनुष्ठान में देर से पहुंचने और फिर भी इस संबंधों में बने रहने का प्रतीक हैं। चितिरई उत्सव महज धार्मिक क्रियाकलाप या अनुष्ठान भर नहीं है, बल्कि यह समाज को एकता के धागे में पिरोने का सांस्कृतिक उत्सव है। चितिरई उत्सव केवल मंदिर तक सीमित नहीं रहता, यह पूरे मदुरै शहर का उत्सव बन जाता है और इस तरह पूरा मदुरै शहर उत्साह और उत्सव की एक डोर से बंध जाता है। इस उत्सव में समाज का हर तबका पूरे उत्साह के साथ शामिल होता है। व्यापारी, कलाकार, कारीगर, सबकी भागीदारी लोकनृत्य, संगीत और नाटक में होती है। देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग इस उत्सव में भाग लेने के लिए मदुरै आते हैं, और इस उत्सव के दौरान यह शहर समूचे तमिलनाडु का प्रतीक बन जाता है। कोने-कोने से लोग इस उत्सव में भाग लेने के लिए आते हैं। इस दौरान यह शहर गांव और शहर का संगम बन जाता है, जिससे पता चलता है कि भारतीय परंपराएं केवल पूजा नहीं।

चर्चाओं के बीच: अदाकारा प्रियंका अग्रवाल

अदाकारा प्रियंका अग्रवाल इन दिनों अपनी एक अपकमिंग कन्नड़ फिल्म को लेकर बॉलीवुड में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। इस फिल्म में वो मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जिसमें उनके साथ अभिनेता श्री किशोर नजर आएंगे। यह फिल्म उनके करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव मानी जा रही है और इससे दक्षिण भारतीय सिनेमा में उनकी पकड़ और मजबूत होने की उम्मीद है।

उनकी एक हिंदी फिल्म भी जल्द ही लाइनअप में है। प्रियंका अग्रवाल ने शुरुआती दौर में ही 'विल्स इंडिया फैशन वीक' और 'लैक्मे इंडिया फैशन वीक' जैसे बड़े फैशन मंचों पर रैंप वॉक कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसके बाद उन्होंने कई नामी फैशन डिजाइनर्स के साथ काम किया और मॉडलिंग इंडस्ट्री में मजबूत पहचान बनाई।

विज्ञापन जगत में भी उनका सफर बेहद सफल रहा है। उन्होंने मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन के साथ 'लॉयड एयर कंडीशनर' के विज्ञापन में मोहनलाल के साथ स्क्रीन साझा की, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके अलावा

उन्होंने कई बड़े ब्रांड्स के लिए 100 से अधिक विज्ञापन और ब्रांड शूट्स पूरे किए हैं। म्यूजिक वीडियो इंडस्ट्री में भी प्रियंका अग्रवाल ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने 'जान' (पंजाबी), 'तुझे पाने को' (टी-सीरीज), 'जादू' (टिप्स), 'तेरा साथ' और 'जिंदगी लौट आई है' जैसे कई लोकप्रिय म्यूजिक वीडियो में काम किया है, जिन्हें दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है।

विशेष रूप से 'जिंदगी लौट आई है' म्यूजिक वीडियो में उन्होंने पनोरमा म्यूजिक और निर्माता कुमार मंगत पाठक के साथ काम किया, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा। फिल्मी करियर की बात करें तो प्रियंका ने 'रेडियो' (2015), '1971: बियॉन्ड बॉर्डर्स' (2017) और 'युद्धभूमि 1971 भारत सीमा' (2018) जैसी फिल्मों में काम किया है। फिल्म '1971: बियॉन्ड बॉर्डर्स' में उन्होंने बॉलीवुड अभिनेता अरुणोदय सिंह के साथ मुख्य भूमिका निभाई, जहां उनके अभिनय को काफी सराहा गया। दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी प्रियंका अग्रवाल ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। उन्होंने सुपरस्टार मोहनलाल के साथ भी काम किया है, जिससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ी है।

प्रियंका अग्रवाल का कहना है कि उनका सपना हमेशा से ऐसे बड़े निर्देशकों के साथ काम करने का रहा है जैसे राजकुमार हिरानी, संजय लीला भंसाली और आदित्य धर।

वहीं उनके पसंदीदा अभिनेता रणवीर सिंह, सलमान खान और अक्षय कुमार हैं, जिनके साथ वह भविष्य में काम करना चाहती हैं। सोशल मीडिया पर भी प्रियंका की मजबूत फैन फॉलोइंग है और उनके मिलियन में फॉलोअर्स हैं। वह अब तक 25 से अधिक म्यूजिक वीडियो कर चुकी हैं और लगातार नए प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। प्रियंका का मानना है कि सफलता तुरंत नहीं मिलती, इसके लिए लगातार मेहनत, धैर्य और सीखना जरूरी है। वह युवाओं और खासकर लड़कियों को संदेश देती हैं कि वे आत्मनिर्भर बनें, अपने करियर पर ध्यान दें और अपनी अलग पहचान खुद बनाएं।

उनका कहना है कि असफलताएं भी सफलता की सीढ़ी होती हैं और हर रिजेक्शन के बाद ही असली जीत मिलती है।

भविष्य में वह फैशन, कॉस्मेटिक या ज्वेलरी ब्रांड लॉन्च करने की भी इच्छा रखती हैं, लेकिन फिलहाल उनका पूरा ध्यान अभिनय पर ही है। मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत करने वाली प्रियंका फिलवक़्त अपनी मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास के दम पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर हैं। प्रियंका वर्तमान समय में मॉडलिंग, फिल्म, विज्ञापन और म्यूजिक वीडियो हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है और लगातार आगे बढ़ रही हैं।

प्रस्तुति - काली दास पाण्डेय

किडनी कांड के मास्टरमाइंड ने पुलिस को चकमा दे किया कोर्ट में सरेंडर

किडनी कांड का मास्टरमाइंड पहुंचा सलाखों के पीछे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के चर्चित किडनी कांड में 25 हजार रुपये का इनामी मुख्य सरगना डॉक्टर अली ने पुलिस को चकमा देते हुए सीधे कोर्ट में सरेंडर कर दिया।लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी ने कानपुर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर सबको चौंका दिया। सरेंडर के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। डॉक्टर अली को इस पूरे किडनी कांड का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में निरीक्षण के साथ चलाया गया जनजागरूकता कार्यक्रम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम हेतु व्यापक गतिविधियां संचालित की गईं। इसी क्रम में अप्रैल 2026 में ग्रामीण क्षेत्र ब्लॉक सरसौल के ग्राम फुफुआर के सुई थोक क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक प्रशान्त कुमार वर्मा, आई.एफ.डब्ल्यू. अरविन्द कुमार एवं रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. शिवकान्त की संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों को वेक्टर जनित रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ता मीरा देवी को दस्तक अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया। टीम ने पिछले वर्ष डेंगू से प्रभावित व्यक्ति सत्यम के घर पहुंचकर परिवार से मुलाकात की और रोग से बचाव संबंधी जानकारी दी।

भ्रमण के दौरान टीम ने आशा द्वारा किए गए घर-घर जागरूकता कार्य का सत्यापन किया। ग्रामीणों ने आशा कार्यकर्ता के कार्यों की सराहना भी की। क्षेत्र में पंपलेट वितरण एवं घरों पर स्टीकर चस्पा किए गए, जिनका निरीक्षण भी किया गया।

संयुक्त टीम द्वारा ग्रामीणों के साथ बैठकर वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम पर चर्चा की गई, जिसमें ग्रामवासियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। टीम द्वारा कुल 60 घरों का सर्वेक्षण किया गया तथा 168 जल पात्रों का निरीक्षण किया गया, जिनमें कोई भी पॉजिटिव नहीं पाया गया।

निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि ग्राम में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई तथा पंचायती राज विभाग के माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य संपादित किए जा रहे हैं। पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को पशुओं को आबादी से बाहर रखने के लिए जागरूक किया गया तथा सूकर पालन से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए गए। कृषि रक्षा विभाग द्वारा स्क्रब टाइफस जैसी बीमारियों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया।

ग्राम में सोर्स रिडक्शन, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, इंडोर स्पेस स्प्रे तथा नालियों में लार्वीसाइडल छिड़काव कराया गया। साथ ही एंटोमोलॉजिकल सर्वेक्षण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए गए। लोगों को जलभराव रोकने, जमा पानी हटाने तथा आवश्यकतानुसार केरोसिन/जला मोबिल ऑयल डालने, मच्छररोधी क्रीम के उपयोग एवं शरीर को ढककर रखने की सलाह दी गई।

जनसामान्य से अपील की गई है कि संचारी रोगों से संबंधित सूचना या सहायता के लिए यूएचएम चिकित्सालय, परेड स्थित कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2333810 एवं 9335301096 तथा नगर निगम कंट्रोल रूम के नंबर 0512-2526004 एवं 2526005 पर संपर्क करें। सूचना प्राप्त होने पर संबंधित क्षेत्र में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

कम्युनिटी साइंस कॉलेज द्वारा नारी शक्ति वंदन रैली का किया गया आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कम्युनिटी साइंस कॉलेज द्वारा एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना तृतीय ने भी प्रतिभाग किया। यह रैली महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर के मार्गदर्शन में तथा डॉ. संघमित्रा मोहापात्रा के नेतृत्व में संपन्न हुई। जिसमें डॉ. एकता शर्मा, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. संगीता गुप्ता सहित सभी प्राध्यापकगण एवं विभिन्न विभागों के टीचिंग एसोसिएट्स डॉ. सुमेधा चौधरी, डॉ. स्वप्निल सिंह, डॉ. ऐलेना तखेल्लंबम, डॉ. ऐश्वर्या सिंह और डॉ. जया वर्मा ने सक्रिय भागीदारी निभाई।रैली में छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता तथा महिलाओं के सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाई। प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रभावशाली नारे लगाए, जिनमें ÷इस दुनिया की शान है नारी, जीवन का आधार है नारी÷, ÷नारी का सम्मान, देश का अभिमान÷ जैसे नारे विशेष रूप से गूंजे। रैली पूरे परिसर में निकाली गई, जिससे लोगों को महिलाओं के अधिकार, सम्मान और उनके महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं से जुड़े मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना और सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था। शिक्षकों, टीचिंग एसोसिएट्स और छात्रों की सक्रिय भागीदारी ने रैली को सफल और प्रभावशाली बनाया। अंत में यह कार्यक्रम महिलाओं के सम्मान, एकता और सशक्तिकरण का मजबूत संदेश देकर संपन्न हुआ।

शक्ति संवाद कार्यक्रम में महिलाओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा, समस्याओं का मिला समाधान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत महिला कल्याण विभाग द्वारा वन स्टॉप सेंटर में ÷शक्ति संवाद÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना तथा उनकी समस्याओं का समाधान करना रहा।

यात्रा की गाइड और यात्रा की जानकारी

इस अवसर पर दिशा अरोड़ा ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

वहीं श्रम विभाग के संतोष ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए श्रम कार्ड के लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

महिला कल्याण विभाग की जेंडर स्पेशलिस्ट शैल शुक्ला ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी तथा महिलाओं को इन योजनाओं से जुड़ने में आने वाली समस्याओं को भी दूर किया। वहीं वन स्टॉप सेंटर की सेंटर मैनेजर वंदना द्विवेदी ने केंद्र द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं और सहायता के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के दौरान ÷नारी संवाद÷ मुख्य आकर्षण रहा, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महिलाओं ने अपनी समस्याओं को अतिथियों के समक्ष रखा, जिन पर एक-एक कर विस्तार से संवाद किया गया और विशेषज्ञों द्वारा उनके समाधान हेतु उचित मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के अंत में महिलाओं को सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया गया। यह कार्यक्रम महिलाओं के लिए एक सशक्त मंच साबित हुआ, जहां उन्होंने खुलकर अपनी बात रखी और अपनी समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल देखी।

छह माह में सड़क चौड़ीकरण का काम करना होगा पूरा

कानपुर। बिधनू, रमईपुर से कठार रेलवे स्टेशन तक की सड़क जो अभी तीन मीटर चौड़ी है उसके और चौड़ीकरण का प्रस्ताव बीते वर्ष विधायक अभिजीत सिंह सांगा के द्वारा भेजा गया था। जिसके लिये शासन द्वारा 11.77 करोड़ की धनराशि स्वीकृत कर पहली किस्त के रूप में 57.65 लाख रुपये भेजे जा चुके हैं। अब जल्द ही चौड़ीकरण का कार्य शुरू किया जयेगा।बताते चलें कि रमईपुर से लेकर कठारा रेलवे स्टेशन तक सड़क तीन मीटर चौड़ी है, जिससे आने-जाने वाले लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सडक चौड़ीकरण का प्रस्ताव विधायक अभिजीत सिंह सांगा द्वारा वर्ष 2025 को भेज गया था। शासन द्वारा इसके लिए 11.77 करोड़ की धनराशि स्वीकृत करते हुए निर्माण कार्य शुरू कराने के लिये पहली किस्त के रूप में 57.65 लाख रुपए लोक निर्माण विभाग को भेज दिया था साथ ही छह माह में चौड़ीकरण का काम पूरा करने का निर्देश भी दिया है।

अब जल्द ही सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू हो जाएगा। बतादें कि अभी यह सड़क तीन मीटर चौड़ी है, अब इसे पाँच मीटर चौड़ी किया जायेगा। सड़क बनने से कठारा रेलवे स्टेशन तक पहुंचने में यात्रियों को सुविधा होगी।

पीएम सूर्यघर योजना में प्रदेश में दूसरे नंबर पर पहुंचा जनपद, लखनऊ पहले, वाराणसी तीसरे स्थान पर

100 मेगावॉट पार, कानपुर की छतों पर सौर ऊर्जा का बड़ा उछालहर दिन 108 घरों में लग रहे रूफटॉप, सोलर सिटी बनने की ओर तेज कदम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पीएम सूर्य घर योजना के तहत कानपुर नगर में सौर ऊर्जा का दायरा तेजी से बढ़ा है। घरों की छतों पर लगाए गए सोलर रूफटॉप के जरिए बिजली उत्पादन का आंकड़ा 100 मेगावॉट पार कर गया है। 14 अप्रैल तक 29,304 इंस्टॉलेशन के माध्यम से 103 मेगावॉट बिजली उत्पादन क्षमता दर्ज की गई है, जो जनपद में स्वच्छ ऊर्जा के बढ़ते उपयोग को दर्शाता है।

प्रदेश में दूसरे स्थान पर कानपुर, बढ़ रही लोगों की भागीदारी

सोलर रूफटॉप के जरिए बिजली उत्पादन में कानपुर नगर अब प्रदेश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। लखनऊ पहले और वाराणसी तीसरे स्थान पर है। यह उपलब्धि बताती है कि शहर में सौर ऊर्जा को लेकर लोगों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है।

योजना की समीक्षा बैठक, क्रियान्वयन में तेजी पर जोर

सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा की गई। बैठक में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और विस्तार पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचाया जाए और पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध रखा जाए।

इंस्टॉलेशन की रफ्तार तेज, हर दिन औसतन 108 नए कनेक्शन

जनपद में सोलर रूफटॉप इंस्टॉलेशन की रफ्तार लगातार बनी हुई है। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 108 इंस्टॉलेशन हो रहे हैं। फरवरी माह में 2,573, मार्च में 3,215 और अप्रैल माह में 14 अप्रैल तक 1,515 घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप लगाए जा चुके हैं।

सोलर सिटी की दिशा में कदम, एक्सीलरेशन प्रोग्राम में शामिल जनपद

कानपुर नगर को सिटी एक्सीलरेशन प्रोग्राम के अंतर्गत शामिल किया गया है। इस कार्यक्रम में देश के 40 शहरों का चयन किया गया है, जिनमें उत्तर प्रदेश के अयोध्या, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर नगर और प्रयागराज शामिल हैं। इसका उद्देश्य शहरों को सोलर सिटी के रूप में विकसित करना है।

'सूर्य रथ' से जागरूकता, घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी

20 से 26 अप्रैल तक 'सूर्य रथ' के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके जरिए लोगों को योजना के लाभों की जानकारी दी जाएगी और उन्हें सोलर कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

समन्वय से बढ़ेगी गति, बैंक-डिस्कॉम-वेंडर को निर्देश

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बैंक, डिस्कॉम और वेंडर आपसी समन्वय के साथ शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करें, जिससे आमजन को योजना का लाभ सहज और समयबद्ध रूप से मिल सके। साथ ही टीम भावना के साथ कार्य करते हुए कानपुर नगर को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, परियोजना अधिकारी नेडा राजेश पांडेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, वेंडर तथा बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शव वाहन पर 'हंगामा गैंग' की गुंडई, पुलिस ने आरोपी लीडर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। घाटमपुर थाना क्षेत्र में शव वाहन में तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भीम आर्मी के कथित नेता अरविंद बौद्ध को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

घटना उस वक्त हुई जब सड़क हादसे के बाद पोस्टमार्टम के लिए जा रहे शव वाहन को कुछ लोगों ने बीच रास्ते में रोक लिया और हंगामा करते हुए तोड़फोड़ कर दी।

मामले में पतारा चौकी प्रभारी ललित शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने 5 नामजद और करीब 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने देर रात दबिश देकर मुख्य आरोपी को पकड़ लिया। जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी जारी है। पुलिस ने साफ कहा है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

अब आधार की फोटोकॉपी का झंझट हुआ खत्म, अब बिना इंटरनेट होगा पहचान सत्यापन

ऑफिस, होटल से लेकर सोसायटी गेट तक त्त्क्रस्कैन से एंट्री, फर्जी पहचान पर लगेगी रोक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पहचान सत्यापन की प्रक्रिया अब पूरी तरह बदलने जा रही है। आधार ऑफलाइन वेरिफिकेशन व्यवस्था के तहत अब किसी भी संस्थान में पहचान के लिए आधार की फोटोकॉपी देने या ओटीपी का इंतजार करने की जरूरत नहीं रहेगी। व्यक्ति अब केवल क्यूआर कोड, ई-आधार या आधार ऐप के जरिए अपनी पहचान तुरंत और सुरक्षित तरीके से सत्यापित करा सकेगा, वह भी बिना इंटरनेट कनेक्शन के। इस नई व्यवस्था में सबसे अहम बात यह है कि आधार धारक को अपनी पूरी जानकारी साझा नहीं करनी पड़ती। सत्यापन पूरी तरह उसकी सहमति पर आधारित होता है और वह केवल आवश्यक जानकारी ही साझा करता है। इससे डेटा पर उसका नियंत्रण बना रहता है और दुरुपयोग की आशंका कम हो जाती है।

अब किसी व्यक्ति द्वारा दिखाया गया आधार दस्तावेज असली है या नहीं, इसकी पुष्टि मौके पर ही की जा सकेगी। क्यूआर कोड स्कैन करते ही उसमें मौजूद जानकारी यूआईडीएआई (द्वष्ठद्ब) के डिजिटल सिग्नेचर से मिलान की जाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि दस्तावेज फर्जी नहीं है और उसमें कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। इस प्रक्रिया में इंटरनेट की जरूरत नहीं होती और न ही पूरा आधार नंबर साझा करना पड़ता। केवल आवश्यक जानकारी के आधार पर पहचान की पुष्टि हो जाती है, जिससे फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल पर प्रभावी रोक लगेगी।

सोसायटी और कॉलोनियों में सुरक्षा को मिलेगा नया आधार

रेजिडेंशियल सोसायटी में अतिथि, डिलीवरी कर्मी और घरेलू सहायकों की एंट्री अब अधिक भरोसेमंद तरीके से दर्ज की जा सकेगी। पारंपरिक तरीके से केवल पहचान पत्र देखने की बजाय अब डिजिटल सत्यापन से पहचान की पुष्टि होगी।

नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों और अन्य वित्तीय संस्थानों में ग्राहक सत्यापन की प्रक्रिया तेज और सुरक्षित होगी। डिजिटल सिग्नेचर आधारित आधार डेटा के जरिए तुरंत पहचान की पुष्टि की जा सकेगी, जिससे मैनुअल जांच और अतिरिक्त दस्तावेजों की जरूरत कम होगी।

आधार ऑफलाइन वेरिफिकेशन व्यवस्था आधार धारक, सत्यापन करने वाली संस्था और यूआईडीएआई पर आधारित है। आधार धारक अपनी सहमति से जानकारी साझा करता है, संस्थाएं उसका सत्यापन करती हैं और यूआईडीएआई पूरी प्रक्रिया के लिए तकनीकी व कानूनी ढांचा उपलब्ध कराता है।

इस व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता नहीं होती। इससे दूरदराज क्षेत्रों में भी पहचान सत्यापन की सुविधा आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। आधार ऐप के माध्यम से यह प्रणाली पूरी तरह पेपरलेस और तेज बनाई जा रही है। डिजिटल सिग्नेचर के कारण साझा की गई जानकारी सुरक्षित और प्रमाणिक रहती है।

कानूनी रूप से पूरी तरह सुरक्षित

आधार अधिनियम 2016, इसके संशोधन और संबंधित विनियमों के तहत यह व्यवस्था लागू है। इसके साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून के प्रावधान भी इसमें लागू होते हैं, जिससे डेटा सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

अधिक से अधिक संस्थाएं अपनाएं व्यवस्था- जिलाधीकारी

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि आधार ऑफलाइन वेरिफिकेशन व्यवस्था नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा दोनों को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। यह प्रणाली डेटा गोपनीयता को सुरक्षित रखते हुए पहचान सत्यापन को सरल बनाती है। उन्होंने संस्थानों से अपील की कि वे इस व्यवस्था का अधिक से अधिक उपयोग करें, जिससे पारदर्शिता और सुरक्षा को बढ़ावा मिल सके।लखनऊ स्थित यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय के सहायक प्रबन्धक आशुतोष सिंह ने बताया कि ऑफलाइन आधार वेरिफिकेशन के लिए संस्थाओं को यूआईडीएआई के साथ ओवीएसई के रूप में पंजीकरण कराना होगा। निर्धारित प्रारूप में आवेदन के बाद यूआईडीएआई द्वारा सत्यापन किया जाएगा। पात्र पाए जाने पर स्वीकृति देकर तकनीकी ऑनबोर्डिंग की जाएगी, जिसके बाद संस्था आधार ऐप के जरिए वेरिफाएबल क्रेडेंशियल से ऑफलाइन सत्यापन कर सकेगी। अधिक जानकारी के लिए श्1ह्यद्.ह्यह्वश्चश्वह्लङ्घह्वद्घस्रड्डद्व.ठ्ठ द्दह्ल.द्वठ्ठ पर संपर्क किया जा सकता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में उतरी महिलाएं, लोकतंत्र को नई दिशा देने वाला बताया कदम

» महिलाओं के लिए सकारात्मक बदलाव का खुलेगा रास्ता

अब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की आवाज अधिक मजबूती से गूंजेगी

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़ी महिलाओं ने एकजुट होकर प्रेस वार्ता की और इसे महिलाओं के प्रतिनिधित्व को सशक्त करने वाला ऐतिहासिक सुधार बताया। वक्ताओं ने कहा कि यह पहल देश के लोकतंत्र को नई दिशा देने के साथ-साथ आधी आबादी की भागीदारी को और मजबूत करेगी।

अधिवक्ता एवं महिला अधिकारों के लिए कार्य करने वाली सोशल एक्टिविस्ट दिशा अरोड़ा ने बताया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के प्रतिनिधित्व की ऐतिहासिक कमी को दूर करने वाला महत्वपूर्ण कदम है। महिलाओं में क्षमता हमेशा से रही है, लेकिन अवसर और भागीदारी सीमित थे। 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ अब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की आवाज अधिक मजबूती से गूंजेगी और वे नीति निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। उन्होंने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

सामाजिक कार्यकर्ता सुभाषिनी शिवहरे ने बताया कि यह अधिनियम महिलाओं के बढ़ते आत्मविश्वास और बदलती भूमिका का प्रतीक है। पहले महिलाएं वोट डालने की बात करती थीं, लेकिन अब वे नेतृत्व की भूमिका में आने के लिए आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से देश की आधी आबादी से जुड़े मुद्दे मजबूती से सामने आएंगे और उनका समाधान संभव होगा। 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को निर्णय लेने का अधिकार देगा, जिससे वे अपने मुद्दों को खुलकर रख सकेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ÷प्रधान पति÷ जैसी चुनौतियाँ अभी भी हैं, लेकिन यह व्यवस्था तेजी से बदल रही है और महिलाएं अब वास्तविक नेतृत्व की ओर बढ़ रही हैं।

एस एन सेन डिग्री कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रीति सिंह ने कहा कि इस अधिनियम से महिलाएं खुद को अधिक सशक्त महसूस करेंगी और अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकेंगी। उन्होंने बताया कि छात्राओं में भी इस विषय को लेकर जागरूकता बढ़ रही है और उनके विचारों को भी महत्व दिया जा रहा है। सभी पक्षों को साथ लेकर यह पहल आगे बढ़ाई जा रही है, जिससे महिलाओं के लिए सकारात्मक बदलाव का रास्ता खुलेगा।

दिव्यांगजनों के लिए कार्य करने वाली सोशल एक्टिविस्ट मनप्रीत कौर ने कहा कि महिलाओं की आधी आबादी अब केवल संख्या नहीं, बल्कि सशक्त भागीदारी के रूप में सामने आएगी। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है और अब वही भागीदारी बड़े मंचों पर भी दिखाई देगी। इस संवैधानिक व्यवस्था से महिलाएं और अधिक सशक्त होकर अपने निर्णय स्वयं लेंगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु विशेष शिविर का आयोजन

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील नरवल, कानपुर नगर में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना रहा।22 दिव्यांगजनों का चिकित्सकीय परीक्षण दिव्यांग बोर्ड के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा किया गया, जिनमें से 10 दिव्यांगजनों को तत्काल दिव्यांग प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। 11 दिव्यांगजनों को जाँच हेतु रेफर किया गया। 1 आवेदन रिजेक्ट किया गया।इस अवसर पर जिलाधिकारी कानपुर नगर, मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप जिलाधिकारी नरवल, तथा जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी आदि उपस्थित थे।

शिविर में चिकित्सा विभाग, पूर्ति विभाग, राजस्व विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, समाज कल्याण विभाग, एवं भारतीय डाक विभाग सहित विभिन्न विभागों ने सहभागिता की।

कानपुर महापौर ने दिया एफआईआर दर्ज कराये जाने के साथ नया पेड़ लगाये जाने के निर्देश

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। राजीव नगर लाल बंगला में एक शोरूम के बाहर बरगद का लगभग 50 साल पुराना बरगद का हरा पेड़ था। जिसे वन विभाग से अनुमति लेकर काट दिया गया था। हरा पेड़ काटने पर जनता विरोध कर रही थी और नागरिकों में सरकार के प्रति रोष व्याप्त था।इसकी सूचना मिलने के पश्चात महापौर प्रमिला पाण्डे, क्षेत्रीय पार्षद जितेन्द्र चौरसिया के साथ मौके पर पहुंची तथा जनता के विरोध को देखते हुए मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उन्होंने एफ0आई0आर0 दर्ज कराये जाने के साथ नया पेड़ लगाये जाने के निर्देश दिये। इस दौरान महापौर ने कहा कि यहां बरगद का 50 साल पुराना पेड़ था, बरगद का पेड़ पूजनीय होता है एवं महिलायें इसकी पूजा करती है।

मुझे अवगत कराया गया है कि जड़ से 10 फुट छोड़कर पेड़ की छंटाई की अनुमति दी गयी थी, किसके द्वारा जड़ से काटा गया, इसकी जॉच कराउँगी और बरगद के पेड़ के पास एक दुकान इसकी भी जॉच करायी जायेगी यदि अवैध होगा तो हटाये जाने की कार्यवाही की जायेगी।

डीएम ने बौसर स्थित गेहूं क्रय केंद्र का किया निरीक्षण

किसानों से किया सीधा संवाद, फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य, गेंहू क्रय केंद्र पर ही तुरंत पंजीकरण की व्यवस्था

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने नरवल तहसील अंतर्गत गेहूं क्रय केंद्र, बौसर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान ग्राम बसौर निवासी किसान रामकिशोर के गेहूं की खरीद होती मिली, जिस पर डीएम ने पूरी प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया और पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।डीएम ने मौके पर किसानों से सीधे संवाद कर तौल, भुगतान और सुविधाओं की जानकारी ली। तौल प्रक्रिया की निगरानी करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। क्रय स्थल की जर्जर सीढ़ियों पर नाराजगी जताते हुए उन्हें तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि जनपद के सभी 63 क्रय केंद्रों पर इस वर्ष फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य की गई है। जिन किसानों का पंजीकरण नहीं हुआ है, उन्हें वापस नहीं लौटाया जाएगा, बल्कि केंद्र पर ही तैनात कार्मिक तत्काल रजिस्ट्री कर खरीद सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक केंद्र पर इसके लिए एक-एक कार्मिक की ड्यूटी तय की गई है। डीएम ने कहा कि क्रय केंद्र पर आने वाले हर किसान के गेहूं की खरीद सुनिश्चित होगी और छोटे किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी।

इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष से 160 रुपए अधिक है।निरीक्षण के दौरान डीएम ने सभी क्रय केंद्रों पर छाया, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं हर हाल में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, साथ ही चेतावनी दी कि किसानों को असुविधा होने पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस टीम ने धावा बोल आयोजक सहित नशे का सौदागर सप्लायर को किया गिरफ्तार

» एनआरआई सिटी में ड्रग पार्टी पर कमिश्नरेट क्राइम ब्रांच एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके के नेतृत्व में पुलिस टीम का धावा

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। कानपुर में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत पुलिस कमिश्नरेट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हाई-प्रोफाइल ड्रग पार्टी का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल के निर्देशन में क्राइम ब्रांच की टीम ने हत्रद्ध (एनआरआई) सिटी में छापेमारी कर पूरे नेटवर्क को जड़ से हिला दिया। डीसीपी क्राइम ब्रांच और एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में मौके से स्र्ष्ठ समेत अन्य मादक पदार्थ बरामद किए गए। पुलिस ने पार्टी में मौजूद 100 से ज्यादा छात्र-छात्राओं को शामिल, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

सूत्रों के अनुसार, यह पार्टी लंबे समय से प्लान की गई थी और इसमें शहर के विभिन्न कॉलेजों के युवक-युवतियों को बुलाया गया था। जैसे ही क्राइम ब्रांच को इसकी भनक लगी, टीम ने सटीक सूचना पर रेड डालकर पूरे मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने मौके से पार्टी के आयोजक और ड्रग सप्लायर को भी गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती पूछताछ में कई अहम सुराग हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर पुलिस अब ड्रग्स सप्लाई चेन के बड़े नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है। फिलहाल सभी संदिग्धों से पूछताछ जारी है और पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इस रैकेट के तार शहर से बाहर या अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़े हैं या नहीं। पुलिस का साफ संदेश- नशे के कारोबार में लिप्त किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

बीपीएस न्यूज़ (साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।